कमल संदेश
पाक्षिक पत्रिका

संपादक

प्रभात झा, सांसद

कार्यकारी संपादक

डॉ. शिवशक्ति बक्सी

संपादक मंडल

सत्यपाल
संजीव कुमार सिन्हा

कला संपादक

धर्मेन्द्र कौशल
विकास सैनी

सदस्यता शुल्क

वार्षिक : 100
त्रि वार्षिक : 250

संपर्क

सदस्यता : +91(11) 23005798
फोन (का.) : +91(11) 23381428
फैक्स : +91(11) 23387887
पता : डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी–66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली–110003

ई–मेल

kamalsandesh@yahoo.co.in

प्रकाशक एवं मुद्रक : डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा डॉ मुकर्जी स्मृति न्यास, के लिए एक्सेलप्रिंट, सी–36, एफ.एफ. कॉम्पलेक्स, झण्डेवालान, नई दिल्ली–55 से मुद्रित करा के, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी–66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली–110003 से प्रकाशित किया गया। सम्पादक – प्रभात झा

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान आयोजित एक विशाल रैली को सम्बोधित करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन गडकरी।

गोवा विधानसभा चुनाव-2012
'विजन दस्तावेज' जारी........ 7

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव-2012
चुनाव प्रचार पर रिपोर्ट........ 9

लेख
कांग्रेस ने किया उत्तर प्रदेश चुनाव अभियान का साम्प्रदायीकरण
–लालकृष्ण आडवाणी........ 21

पुस्तक समीक्षा
गडकरी के नये प्रयोग की निर्देशिका – विकास के पथ
–डॉ. कुलदीप चन्द अग्निहोत्री........ 23

साक्षात्कार
श्रीमती सुषमा स्वराज........ 25

अन्य
म.प्र. : सागर से विकास यात्रा आरंभ........ 27
दिल्ली व्यापी जनसंघर्ष यात्रा........ 29

बोध कथा

हम सब एक हैं

रामानुजाचार्य रोज गंगा में नहाने जाया करते थे। जब वे स्नान करने जाते तो एक ब्राह्मण के कंधे का सहारा लेकर जाते और लौटते समय एक निम्न जाति के व्यक्ति के कंधे का सहारा लेकर आते थे। वृद्धावस्था के कारण उन्हें किसी के सहारे की जरूरत है, यह बात तो सभी समझते थे, पर जाते समय किसी ऊंची जाति के व्यक्ति और लौटते समय अछूत समझे जाने वाले शख्स का सहारा वह क्यों लेते है, यह बात सबकी समझ से परे थी। लेकिन उनसे इस बारे में पूछने का साहस किसी को नहीं था। कुछ लोगों को यह बात बड़ी अखरती थी खासकर उन्हें जो अपने को धर्म का ठेकेदार समझते थे और ऊंच – नीच के भाव को फैलाते रहते थे।

एक दिन एक पंडित से रहा नहीं गया, उसने रामानुजाचार्य से इस बारे में पूछ ही लिया। इतना ही नहीं उसने यह भी कह दिया कि उनका यह व्यवहार नीति के विपरीत है। यह सुनकर रामानुजाचार्य बोले – भाई ! मैं तो शरीर और मन दोनों का स्नान करता हूं। गंगाघाट पर ब्राह्मण का सहारा लेकर आता हूं और शरीर का स्नान करता हूं, परंतु तब मन का स्नान नहीं होता क्योंकि श्रेष्ठता का भाव पानी से नहीं मिटता, वह तो स्नान कर उस व्यक्ति का सहारा लेने पर ही मिटता है जिसे आप लोग अछूत और न जाने क्या – क्या कहते हैं। हालांकि मेरी नजर में तो वह सबसे पवित्र है। उसका सहारा लेने से मेरा अहंकार धुल जाता है और शांति मिलती है। ईश्वर ने हर मनुष्य को बराबर बनाया है। सबसे साथ समान आचरण ही धर्म है। मैं सबको यही सीख देने के लिए ऐसा करता हूं।

संकलन : लखविन्दर सिंह
साभारः नवभारत टाईम्स

व्यंग्य चित्र

सम्पादक के नाम पत्र
कमल संदेश

आपकी राय एवं विचार

**सम्पादक,
कमल संदेश**

ई-मेलः
kamalsandesh@yahoo.co.in

प्रिय पाठकगण
कमल संदेश (पाक्षिक) का अंक आपको निरन्तर मिल रहा होगा। यदि किन्हीं कारणवश आपको कोई अंक प्राप्त न हो रहा हो तो आप अपने प्रदेश कार्यालय को या हमें अवश्य सूचित करें।
-सम्पादक

सम्पादकीय

अवसर आया है इसे जीत में बदलना है

संगठन जीवन में ही नहीं, संसार के प्रत्येक जीवन में 'अवसर' अक्सर नहीं आते हैं। अतः जब अवसर आए तो उस समय सभी बंधु–बांधव को एक साथ जुट जाना चाहिए। कार्यकर्ताओं के जीवन में भी जब अवसर आए तो उन्हें कार्य में तहेदिल से लगना चाहिए। और वर्तमान समय भाजपा के लिए ऐसा ही हैं। 'अवसर' आया है और जनता चाह रही है कि 'अवसर' जो मिला है, उसमें भाजपा परिश्रम और पराक्रम करे। समय भाजपा के अनुकूल आ चुका है। देशकाल, परिस्थितियां सभी की मांग है कि भाजपा आए और देश सम्हाले। अब तो तय भाजपा को करना है कि वह देश की अपेक्षा पर खरा उतरने के लिए कौन–कौन से कदम उठा रही है।

भाजपा ने गंभीरता से उन राज्यों में जहां उसकी स्वयं की सरकार है, एक नहीं अनेक मिसाल कायम किए है। देश भर के अनेक राज्यों में, भाजपा शासित सरकारों ने पिछले कुछ वर्षों में जनता और अपने कार्यकर्ताओं के साथ जो संपर्क बनाया है, जो सामाजिक सरोकार बनाया है, वह अनुकरणीय है। भाजपा शासित राज्यों के जनकार्यों और योजनाओं ने यह बात साबित कर दी है कि ''हमको सरकार चलाना आता है।'' राज्यों में भाजपा ने अंत्योदय का सपना साकार करना शुरू कर दिया है। सामाजिक सुरक्षा की गारंटी सरकार बने, इससे बड़ी बात क्या हो सकती है?

भाजपा शासित राज्यों में सभी स्तर पर विकास के अभूतपूर्व कार्य हो रहे हैं। समाज जीवन का स्तर बढ़े और जीवन–मूल्यों की स्थापना हो, इस दिशा में बेहतर कार्य हो रहे हैं। ''सब समाज को लिए साथ में, आगे है बढ़ते जाना'' के भाव को भाजपा शासित राज्यों में चरितार्थ किया जा रहा है।

एक रुपया ब्याज की दर पर किसानों को कर्ज, प्रति क्विंटल गेहूं पर सौ रुपए बोनस, इसके साथ ही खेती को फायदे का धंधा बनाने का क्रम भाजपा शासित राज्यों में चला है, जिससे प्रत्येक किसान के चेहरे पर मुस्कान दिखने लगी है। मजेदार मामला है कि भाजपा शासित राज्यों की योजनाएं आरक्षण, जाति, धर्म से ऊपर उठकर बनाई गई है। गांव–गांव में इस बात की चर्चा सहज चल रही है। सरकारें पहले भी थीं। कांग्रेस ने वर्षों राज किया, पर क्यों नहीं सरकारी तिजोरी जनता के लिए खुले? आज भाजपा शासित सरकारों के खजाने पूरी तौर पर जनता के लिए खुले हैं। मसला गणवेश का हो, मसला साईकिल का हो, मसला जननी सुरक्षा का हो, मसला बिटिया की पढ़ाई का हो, मसला पुस्तकों का हो, मसला बिटिया के विवाह का हो, भाजपा शासित राज्य सरकारें इन मसलों पर बहुत ही प्रामाणिकता से कार्य कर रही हैं।

भ्रष्टाचार का नामोनिशान मिटाने के लिए भाजपा शासित राज्य सरकारें प्रभावी कानून बना रही है। भाजपा भूख मिटा रही है। भ्रष्टाचारमुक्त प्रशासन की ओर बढ़ रही है। रोटी, कपड़ा और मकान की व्यवस्था में सरकार आम नागरिकों के साथ खड़ी दिख रही है।

भाजपा शासित राज्यों में गंभीरता से यह प्रयास हो रहा है कि प्रत्येक नागरिकों का जीवन खुशहाल हो। भाजपा के कार्यकर्ताओं को सच में यह अवसर मिला है, जिसे सफलतापूर्वक जनता–जनार्दन के लिए रात–दिन खर्च करना चाहिए। भाजपा अनेक राज्यों में दूसरी और तीसरी बार सरकार में आने की संभावनाओं से लबरेज है। इसका मुख्य कारण है कि भाजपा के सामने आम नागरिक है। भाजपा शासित राज्य गुजरात और छत्तीसगढ़ ऐसे पहले दो राज्य हैं, जहां नागरिकों को 24 घंटे बिजली मिल रही है। वहीं हिमाचल और उत्तराखंड भी इसी श्रेणी में है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने साफ शब्दों में कहा है कि 1 जनवरी 2013 से वे जनता को 24 घंटे बिजली

उपलब्ध कराएंगे। इसकी तैयारी भी मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री कर रहे हैं।

भाजपा शासित राज्यों में आम नागरिकों की स्थिति का आंकलन और मूल्यांकन नियमित हो रहा है। जहां तक भाजपा शासित राज्यों का मसला है, इसमें केन्द्र की कांग्रेसनीत यूपीए सरकार हर मोड़ पर इनको असहयोग कर रही है। जबकि ऐसा नहीं होना चाहिए। केन्द्र की कांग्रेस सरकार को चाहिए कि वे संघीय प्रणाली का सम्मान करे। खैर, भाजपा शासित राज्यों के साथ जिस तरह का सौतेला व्यवहार किया जा रहा है, उसे राज्यों की जनता भी समझ रही है। बावजूद इसके, भाजपा शासित राज्यों के जनहितकारी कार्यों ने जो नए आयाम तय किए हैं, उससे यह बात तो साफ हो गई है कि भाजपा को केन्द्र स्तर पर मौका मिले या अन्य राज्यों में शासन मिले तो निश्चित ही भारत की तस्वीर और तकदीर वैसे ही बदलेगी जैसे एनडीए शासन के दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने अपनी सूझ–बूझ से बदली थी। हम अवसर का लाभ लें और मिलजुलकर संगठन को विश्वास में लेकर इन चुनौतियों का सामना करेंगे तो निश्चित ही हम भारत का सुनहरा भविष्य बनाने में सहयोगी साबित होंगे। ■

शिवसेना-भाजपा-आरपीआई गठबंधन ने लहराया जीत का परचम

महाराष्ट्र निकाय चुनाव में जनता ने फिर शिवसेना–भाजपा–आरपीआई गठबंधन के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया, जबकि कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को नकार दिया। इस चुनाव में शिवसेना–भाजपा–आरपीआई गठबंधन ने जहां शानदार जीत दर्ज की वहीं कांग्रेस और राकांपा को तगड़ा झटका लगा।

महाराष्ट्र की बृहन्मुम्बई महानगर पालिका (बीएमसी) पर शिव सेना भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई) गठबंधन ने कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) को तगड़ा झटका देते हुए अपना कब्जा बरकरार रखा। बीएमसी में शिवसेना–भाजपा गठबंधन ने लगातार चौथी बार जीत हासिल की है। बीएमसी की 227 सीटों में से शिव सेना–भाजपा–आरपीआई गठबंधन ने 107 सीटों पर कब्जा जमाया। शिव सेना के खाते में 75 जबकि भाजपा के खाते में 32 सीटें गई। पहली बार साथ चुनाव लडने वाला कांग्रेस–राकांपा गठबंधन 65 सीटों से ऊपर नहीं जा सका। कांग्रेस को 50 और राकांपा को 14 सीटें मिल सकी। अन्य के खाते में 28 सीटें गई हैं। राज ठाकरे के नेतृत्व वाले महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने 28 सीटों पर कब्जा जमाया। बीएमसी में शिव सेना–भाजपा–आरपीआई गठबंधन को स्पष्ट बहुमत तो नहीं मिला है लेकिन वह सबसे बडे गठबंधन के रूप में जरूर उभरी है। स्पष्ट बहुमत के लिए आवश्यक 114 के जादुई आंकडे से वह सात कदम सीट पीछे रह गई। शिव सेना–भाजपा–आरपीआई गठबंधन ने ठाणे नगर निगम (टीएमसी) पर कब्जा जमाया। यहां की 130 सीटों में उसने 61 सीटें जीत ली हैं जबकि कांग्रेस–राकांपा गठबंधन 52 सीटें जीत सकी है। मनसे ने यहां सात सीटों पर कब्जा जमाया। नागपुर में शिवसेना–भाजपा गठबंधन ने शानदार जीत दर्ज की। 145 में से भाजपा ने यहां 56 सीटों पर जीत दर्ज की जबकि शिव सेना छह सीटों पर। कांग्रेस–राकांपा गठबंधन यहां 43 सीटें जीतने में सफल रहा। 73 सीटों वाले अकोला नगर निगम चुनावों में कांग्रेस–राकांपा गठबंधन के खाते में 23 सीटें गई जबकि शिव सेना–भाजपा–आरपीआई गठबंधन ने 26 सीटों पर कब्जा जमाया। यहां मनसे को एक, निर्दलीय एवं अन्य को 23 सीटें मिली। 87 सीटों वाले अमरावती नगर निगम चुनावों में कांग्रेस–रांकापा गठबंधन ने 42 सीटें जीती जबकि शिव सेना–भाजपा–आरपीआई गठबंधन के खाते में 20 सीटें आई। यहां मनसे ने पांच, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने छह सीटों पर कब्जा जमाया। अन्य के खाते में आठ सीटें गई। 128 सीटों वाले पिम्परी–चिंचवाड नगर निगम चुनावों में राकांपा को सर्वाधिक सीटें मिली। यहां राकांपा ने 83 सीटों पर कब्जा जमाया जबकि कांग्रेस को 14 सीटें मिली। शिव सेना–भाजपा–आरपीआई गठबंधन को यहां महज 18 सीटें से ही संतोष करना पडा। मनसे ने चार, निर्दलीयों और अन्य ने नौ सीटें जीती। उल्हासनगर की 78 सीटों में शिव सेना–भाजपा गठबंधन ने 30 सीटों पर जबकि कांग्रेस–राकांपा गठबंधन ने 28 सीटों पर कब्जा जमाया। यहां बसपा दो और मनसे एक सीट जीतने में सफल रही। अन्य के खाते में 13 सीटें। पुणे में राकांपा को 47, कांग्रेस को 19, शिवसेना को 9, भाजपा को 16, मनसे को 23 और अन्य को एक सीट पर जीत मिली।■

गोवा में चहुंमुखी विकास के लिए कांग्रेस को उखाड़ फेंकना आवश्यक : रवि शंकर

— हमारे संवाददाता द्वारा

गत 19 फरवरी को भाजपा राष्ट्रीय महासचिव और प्रमुख प्रवक्ता श्री रविशंकर प्रसाद ने चुनाव घोषणा पत्र अर्थात् 'गोवा विजन दस्तावेज' को पणजी में जारी किया। भारतीय जनता पार्टी ने अपने गोवा विजन दस्तावेज में ऐसे अनेक संकल्पों को व्यक्त किया है जो गोवा निवासियों के कल्याण के लिए होंगे जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं– बेरोजगारी लाभ की राशि प्रति माह 4500 रूपए; ईंधन की कीमतों में 11 रूपए की कमी करना; 18 वर्ष की आयु समाप्ति पर कन्याओं के विवाह खर्च के लिए एक लाख रूपए का नकद स्थानांतरण; प्रत्येक व्यक्ति को सस्ते दामों पर आवास देना; बढ़ती कीमतों को देखते हुए गृहणियों को 1000 रूपए का नियमित भत्ता देना और वरिष्ठ नागरिकों के लिए वर्तमान 1000 रूपए की राशि बढ़ाकर 2000 रूपए का सामाजिक सुरक्षा लाभ प्रदान करना।

प्रदेशाध्यक्ष श्री लक्ष्मीकांत यशवंत पारेसकर, पूर्व मुख्यमंत्री श्री मनोहर पर्रीकर और उत्तरी गोवा से लोकसभा सांसद श्रीपद नायक और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता घोषणा पत्र जारी करने के अवसर पर उपस्थित थे तथा उन्होंने सत्ता में आने पर इन वायदों को पूरा करने का संकल्प व्यक्त किया।

इस अवसर पर श्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि गोवा के लोग दिगम्बर कामत की कांग्रेसी सरकार को सत्ता से बाहर करने पर तुले हुए हैं और वे राज्य की चहुंमुखी विकास के लिए भाजपा–नीत सरकार को भारी बहुमत प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि दिगम्बर कामत सरकार ने 25000 करोड़ रूपए का अवैध घोटाला किया है और उसके अनेकों कैबिनेट मंत्री इस प्रकरण में शामिल हैं।

उन्होंने आगे कहा कि गोवा अवैध खनन का गढ़ बना हुआ है जिसके लिए केन्द्र सरकार ने जस्टिस एम.बी. शाह आयोग गठित किया है। भाजपा कांग्रेस–नीत सरकार द्वारा इस दुर्दांत प्रकरण के खिलाफ कार्रवाई न करने पर अपना विरोध प्रगट करती है। जस्टिस एम.बी. शाह आयोग, जो भारत में अवैध खनन के बारे में जांच कर रहा है, शीघ्र ही अपनी रिपोर्ट केन्द्र सरकार को सौंपेगा और तब कांग्रेस पार्टी का असली चेहरा लोगों के सामने जाएगा।

श्री प्रसाद ने यह भी कहा कि हम अप्रैल 2012 से मूल्य–वर्धित टैक्स समाप्त कर पेट्रोल की कीमतों में भी 11 रूपए की कमी करेंगे।

श्री पर्रीकर ने कहा कि आगामी चुनाव राज्य में सत्ताधारी पार्टी के लिए विनाशकारी करारी हार होगी। उन्होंने यह भी कहा कि लोकायुक्त को अवैध खनन के सभी मामलों की जांच का काम सौंपा जाएगा और मुख्यमंत्री से लेकर नौकरशाही तक पाए जाने वाले प्रत्येक दोषी पर मुकदमा चलाने का काम लोकायुक्त को सौंपा जाएगा।

श्री मनोहर पर्रीकर का कहना था कि ''सभी अवैध खनन के मामले लोकायुक्त को सौंपे जाएंगे। जो भी

सरकारी दस्तावेज उपलब्ध हैं, वे दोषियों पर मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त होंगे।

श्री पर्रीकर ने उन पांच परिवारों के 12 सदस्यों को टिकट दिए जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि ये परिवार 'राजनैतिक लूट' करते रहेंगे। अब लोग समझ चुके हैं कि सत्ताधारी कांग्रेस ने कितनी लूट मचाई हुई है। मुझे विश्वास है कि लोग इन माफिया लोगों का समर्थन कभी नहीं करेंगे।

'विजन दस्तावेज' की प्रमुख बातें

- घोषणा पत्र में वायदा किया गया है कि सेंग्वेम और क्वेपेम तालुकाओं में 30 महीनों के अंदर खनन गलियारे बना दिए जाएंगे और 60 प्रतिशत की खनन रायल्टी 'ईको सिस्टम' (पर्यावरणीय व्यवस्था) और इंफ्रास्ट्रक्चरल विकास पर खर्च की जाएगी
- घोषणा पत्र में पार्टी ने अवैध खनन को विनियमित करने का वायदा भी किया है। वैध खनन के लिए विनियम बनाना आवश्यक है। ढाई वर्षों में गलियारों का विकास कर सुरक्षित तथा निर्मुक्त परिवहन का मार्ग प्रशस्त किया जाएगा। खनन पर मिलने वाली 60 प्रतिशत रायल्टी का उपयोग खनन से प्रभावित होने वाले क्षेत्रों में इंफ्रास्ट्रक्चर सुदृढ़ीकरण के लिए किया जाएगा।
- यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि लाखों–करोड़ो रूपयों के अवैध खनन घोटाले में लिप्त दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।
- यह भी वायदा किया गया है कि सत्ता में आने के बाद 100 दिन के अंदर गोवा लोकायुक्त का गठन कर दिया जाएगा।
- पार्टी का यह भी कथन है कि सत्ता में आने के बाद खनन पर पर्यावरण 'सेस' (उपकर) लगाया जाएगा और केन्द्र सरकार पर दबाव डाला जाएगा कि वह रायल्टी में गोवा सरकार की हिस्सेदारी बढ़ाए। इस समय गोवा के मरमुगाव पोर्ट ट्रस्ट (एमपीटी) से प्रतिवर्ष 51 मिलियन टन लौह इस्पात का निर्यात होता है, जिससे रायल्टी के रूप में 1200 करोड़ रूपए की आय होती है।
- बेरोजगारी लाभ प्रतिमाह 4500 रूपए होगा।
- भाजपा सरकार ईंधन की कीमतों में 11 रूपए की कमी करेगी।
- यह भी वायदा है कि 18 वर्ष की आयु पूरी होने पर कन्याओं के विवाह खर्च के लिए एक लाख रूपए की राशि का स्थानांतरण किया जाएगा।
- विजन दस्तावेज में प्रत्येक व्यक्ति को सस्ते दामों पर आवास प्रदान करने का वायदा किया गया है।
- बढ़ती कीमतों को देखते हुए गृहणियों को 1000 रूपए का भत्ता प्रतिमाह देने की व्यवस्था रहेगी।
- यह भी वायदा है कि वरिष्ठ नागरिकों का सामाजिक सुरक्षा लाभ वर्तमान 1000 रूपए से बढ़ाकर 2000 रूपए प्रतिमाह किया जाएगा। ■

गोवा विधान सभा के परिणाम भी बीएमसी जैसे होंगे : पर्रीकर

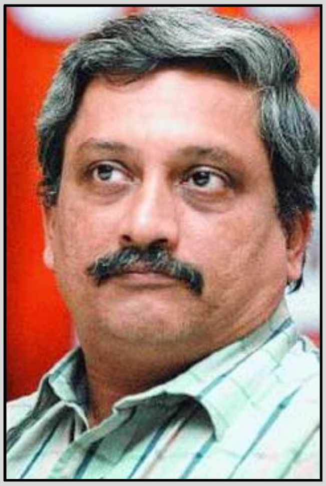

गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री श्री मनोहर पर्रीकर का कहना है कि गोवा विधानसभा के चुनाव भी उसी तरह के आएंगे जैसा कि मुम्बई में बीएमसी के परिणाम देखने में आए हैं।

पणजी में पार्टी मुख्यालय पर आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस में मीडिया संवाददाताओं से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि गोवा में 3 मार्च 2012 को होने वाले चुनावों में कांग्रेस को विनाशकारी करारी हार का सामना करना पड़ेगा। गोवा के चुनाव परिणाम बीएमसी (वृहद् मुम्बई म्युनिसिपिल कार्पोरेशन) की तरह के ही होंगे।

श्री पर्रीकर ने बीएमसी चुनावों में कहा था कि शिवसेना–भाजपा ने कांग्रेस–नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) को हरा देगी। बीएमसी की 227 सीटों में, भाजपा–शिवसेना–आरपीआई ने मिलकर 107 सीटों पर विजय प्राप्त की जबकि कांग्रेस–एनसीपी को मात्र 66 सीटें ही मिल पाई हैं।

गोवा की 40 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव 3 मार्च को होने वाले हैं। भाजपा ने महाराष्ट्रवादी गोमंतक पार्टी (एमजीपी) के साथ गठबंधन किया है जबकि सत्ताधारी कांग्रेस ने पुनः एनसीपी के साथ गठजोड़ किया है। ■

भाजपा ही दिला सकती है गुण्डाराज और भ्रष्टाचार से छुटकारा : नितिन गडकरी

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव–प्रचार जोरों पर है। जनता का ध्यान खींचने के लिए राजनीतिक दल कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं। भाजपा जहां सपा के शासन में व्याप्त रहे गुंडाराज और बसपा व कांग्रेस के कार्यकाल में बेलगाम भ्रष्टाचार तथा प्रदेश में सुशासन देने के वायदे के आधार पर जनता से वोट मांग रही है वहीं सपा–बसपा व कांग्रेस अल्पसंख्यक वोटों के लिए मजहबी आरक्षण का राग अलाप रही है। सात चरणों में संपन्न होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में मतदाता उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। पहले चरण में 8 फरवरी को 62 प्रतिशत मतदान हुआ। इस चरण में 10 जिलों की 55 सीटों पर मतदान हुआ। पहले चरण में जिन जिलों में मतदान हुआ, वे थे– सीतापुर, बाराबंकी, फैजाबाद, बलरामपुर, अंबेडकरनगर, बहराइच, श्रावस्ती, गोंडा, बस्ती और सिद्धार्थनगर। दूसरे चरण में 11 फरवरी को 59 प्रतिशत मतदान हुआ। इस चरण में नौ जिलों के 59 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान हुआ। जिन नौ जिलों में मतदान हुआ, उनमें आजमगढ़, कुशीनगर, महाराजगंज, गाजीपुर, बलिया, गोरखपुर, संत कबीरनगर, मऊ और देविरया शामिल हैं। तीसरे चरण में 15 फरवरी को 10 जिलों के 56 विधानसभा क्षेत्रों में 57 प्रतिशत मतदान हुआ। तीसरे चरण में अमेठी, सुल्तानपुर, कौशांबी, इलाहाबाद, जौनपुर, चंदौली, वाराणसी, संत रविदास नगर, मिर्जापुर और सोनभद्र जिलों में मतदान हुआ। चौथे चरण का मतदान 19 फरवरी को संपन्न हुआ। इस चरण में 57 प्रतिशत से ज्यादा मतदान हुए। 11 जिलों की 56 सीटों पर मतदान हुआ। राजधानी लखनऊ सहित हरदोई, उन्नाव, लखनऊ, रायबरेली, फर्रुखाबाद, कन्नौज, बांदा, चित्रकूट, छत्रपति शाहूजी महाराज नगर, फतेहपुर और प्रतापगढ़ में मतदान हुआ। पांचवे चरण में 23 फरवरी को 13 जिलों की 49 सीटों पर 59.20 फीसद मतदाताओं ने मताधिकार को प्रयोग किया। इस चरण में एटा, कांशीराम नगर, कानपुर, रमाबाई नगर, महोबा, जालौन, झांसी, हमीरपुर, औरैया, इटावा, ललितपुर, मैनपुरी और फिरोजाबाद शामिल थे। सातवें तथा अंतिम चरण में 68 सीटों के लिए 28 फरवरी 2012 को मतदान होगा। गौरतलब है कि पूर्व निर्धारित 4 फरवरी को होने वाला पहले चरण का मतदान अब 3 मार्च को संपन्न होंगे।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन गडकरी ने 21 फरवरी को कानपुर के कैण्ट विधानसभा में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा में वंशवाद नहीं है। यह कार्यकर्ताओं की पार्टी है। कांग्रेस तो मां बेटे की पार्टी है। सपा में भी बाप–बेटा भाईवाद है। सपा–बसपा–कांग्रेस में भ्रष्टाचार कूट–कूट कर भरा है। श्री गडकरी ने कहा कि पहले इन्दिरा गांधी हाथ हिलाती थी फिर सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका बढ़ेरा भी अब अपने बच्चों को मंच पर लाकर हाथ हिलवाती है। इनके कायकर्ता कहते हैं कि सोनिया जी आई हैं नई रोशनी लाई हैं। जबकि यूपीए में रोशनी का पता नहीं है। यूपी की सड़क में बड़े–बड़े गड्ढ़े हैं कि गडढ़ों में सड़क है, पता नहीं चलता। श्री गडकरी ने कहा कि यूपी में गुण्डाराज, भ्रष्टाचार, महंगाई चरम सीमा पर है। उन्होंने कहा कि मुस्लिमों को आरक्षण का लालीपाप दिखाकर बैकवर्ड के कोटे में डाका डाला है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सूर्य प्रताप शाही ने भी चुनावी सभा को संबोधित किया।

श्री नितिन गडकरी ने 21 फरवरी को पार्टी की वरिष्ठ नेता व 'भाजपा लाओ–प्रदेश बचाओ' की संयोजक उमा श्री भारती पर भरोसा जताते हुए कहा कि उनके नेतृत्व को मिल रहे अपार समर्थन से राज्य की तस्वीर बदलेगी। उमा बुंदेलखंड को विशेष पैकेज नहीं देंगी, बल्कि विकास करके दिखाएंगी। प्रा.तिक संपदा से संपन्न इस क्षेत्र के पिछड़ेपन के लिए उन्होंने कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया। श्री गडकरी उमा भारती के विधानसभा चरखारी के कुलपहाड़ में विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उनके अलावा प्रदेश भाजपा

अध्यक्ष सूर्य प्रताप शाही, पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कलराज मिश्र और क्षेत्र की उम्मीदवार उमा भारती ने सभा को संबोधित किया। कांग्रेस पर बरसते हुए श्री गडकरी ने कहा कि जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी से लेकर अब राहुल गांधी सभी गरीबी हटाओ का नारा देते रहे,

लेकिन क्या गरीबी दूर हो गई। गरीबी नहीं हटी। उत्तर प्रदेश में पिछले बाइस सालों से पहले चालीस साल कांग्रेस की सरकार रही, लेकिन इस राज्य की तस्वीर नहीं बदली। इसलिए कांग्रेस का पंजा केवल आपकी जेब काट रहा है।

श्री नितिन गडकरी 20 फरवरी को विरोधियों पर जमकर गरजे। कांग्रेस, बसपा को भ्रष्टाचारी व सपा को अत्याचारी करार देते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस दिल्ली में तो बसपा लखनऊ में लूटमार कर रही है। श्री गडकरी ने दिबियापुर में भाजपा प्रत्याशी शिवप्रताप राजपूत के समर्थन में आयोजित चुनावी सभा में श्री गडकरी ने यूपी की बदहाली पर चर्चा करते हुए कहा कि यहां की जमीन देखकर दूसरे प्रदेशों को ईर्ष्या होती है लेकिन गंदी सियासत करने वालों ने इसे इस दशा में पहुंचा दिया कि कोई व्यक्ति खुश नहीं है, सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा संसाधनों का अभाव है। अटल सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करने के साथ ही उन्होंने मौजूदा केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार की जमकर खिल्ली उड़ाई। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि नेहरू से लेकर राहुल गांधी तक गरीबी हटाओ का नारा दे रहे हैं लेकिन अब तक गरीबी क्यों नहीं हटी। सीधे तौर पर इसके लिए जनता को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि जब तक जाति की सियासत होगी तब तक विकास नहीं होगा और न ही यूपी की तस्वीर सुधरेगी। सपा शासन में हुए अत्याचार व कांग्रेस, बसपा सरकार के भ्रष्टाचार के प्रमुख बिंदुओं को उठाते हुए उन्होंने राममंदिर निर्माण का वादा भी दोहराया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार दिल्ली लूट रही है और माया सरकार लखनऊ लूट रही है। कांग्रेस, सपा और बसपा के नेताओं की गरीबी दूर हुई है। सपा पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि मुलायम सिंह यादव की एक ही इच्छा है कि कैसे उनका बेटा अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बने। सपा पिता–पुत्र की पार्टी है। कांग्रेस मां (सोनिया गांधी–बेटा (राहुल गांधी) की पार्टी है। बसपा को उन्होंने माया की होलसेल दुकान बताया। इस मौके पर अपनी उम्मीदवारी के समर्थन में सुश्री उमा भारती ने क्षेत्र के लोगों को संबोधित किया। इस अवसर पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री सूर्यप्रताप शाही ने कहा कि पूरे राज्य में भाजपा की लहर है। चार चरणों के मतदान के बाद साफ लग रहा है कि राज्य में भाजपा की सरकार बनेगी।

श्री नितिन गडकरी ने 19 फरवरी को अलीगढ़ हीरालाल बारहसैनी इंटर कालेज में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की सरकार केन्द्र की कांग्रेस सरकार के संरक्षण में प्रदेश को लूटने में लगे हुए हैं। वह दिल्ली में लूट मचाये हुए हैं और उत्तर प्रदेश में मायावती द्वारा खुली लूट की जा रही है। श्री गडकरी ने कहा कि जब हम अपनी बेटी के लिए दूल्हा तलाशने में उनकी योग्यता, पात्रता, चरित्र एवं परिवार कैसा है फिर शादी करते हैं, परन्तु वोट डालते समय हम भूल जाते हैं कि किसे वोट देना है। उन्होंने कहा कि आज समाजवादी पार्टी और कांग्रेस में मुस्लिम आरक्षण को लेकर प्रतिस्पर्धा चल रही है कोई साढे चार प्रतिशत कह रहा है तो कोई 9 प्रतिशत और कोई 18 प्रतिशत कह रहा है। उन्होंने कहा कि आरक्षण अपने चरम पर है, 50 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकता तो क्या कानून में संशोधन मुलायम सिंह करायेंगे, यह विचारणीय प्रश्न है।

श्री नितिन गडकरी ने 18 फरवरी को ओरैया वि0स0 में पार्टी प्रत्याशी के समर्थन में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि सपा, बसपा व कांग्रेस पर जमकर प्रहार किये। सपा की गुंडागर्दी और सिमी जैसे आतंकवादी संगठनों का रहनुमा बताया तो वहीं मुख्यमंत्री मायावती को उगाही का पोषक करार दिया। केंद्रीय कानून मंत्री सलमान खुर्शीद को सबसे बड़ा सांप्रदायिक बताया। श्री गडकरी ने सबसे

पहले कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए कहा कि बाटला हाउस एनकाउंटर में जब मोहन शर्मा ने बलिदान दिया तो उस पर कांग्रेस के आंसू नहीं बहे। आतंकवादी की मौत पर सोनिया गांधी के आंखों से आंसू निकले जो कांग्रेस के तुष्टीकरण नजरिये को बयान करता है। संसद के हमलावर अफजल गुरु के लिए कहा कि जाति, धर्म और महजब के कारण 6 साल से उसकी फांसी लटकी पड़ी है। उन्होंने कहा कि टू जी स्पेक्ट्रम घोटाले में केवल राजा ही दूल्हा नहीं है बल्कि कांग्रेस के बड़े नेता भी बाराती हैं। श्री गडकरी ने कटाक्ष करते हुए कहा कि युवराज अभी कागज फाड़ रहे हैं कुछ समय बाद कपड़े फाड़ेंगे।

श्री नितिन गडकरी ने 14 फरवरी को चंदौली जनपद के चकिया विधानसभा की चुनावी जनसभा में कांग्रेस–सपा–बसपा पर जमकर प्रहार करते हुए कहा कि केन्द्र में कांग्रेस का समर्थन करने वाली सपा–बसपा यूपी में नूराकुश्ती का खेल रही हैं। भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी कांग्रेस ने दिल्ली लूटने का कुचक्र किया तो बसपा ने लखनऊ में उसी कार्य को अंजाम दिया। श्री गडकरी ने आरक्षण के नाम पर मुसलमानों का तुष्टीकरण करने वाली केन्द्र सरकार के कानून मंत्री सलमान खुर्शीद के बयान को संविधान विरोधी बताया। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने आरक्षण की सीमा पचास प्रतिशत की है। बावजूद इसके मुलायम सिंह यादव अठारह प्रतिशत तथा कांग्रेस नौ प्रतिशत मुस्लिम आरक्षण की बात कर रही है। ऐसी दशा में पिछड़ी जातियों में किसका आरक्षण प्रतिशत कांग्रेस व मुलायम कम करेंगे, यह निश्चित नहीं है।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन गडकरी ने 12 फरवरी को जनपद इलाहाबाद के मेजा विधानसभा की चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने आरक्षण की सीमा पचास प्रतिशत की है। बावजूद इसके मुलायम सिंह यादव अठारह प्रतिशत तथा कांग्रेस नौ प्रतिशत मुस्लिम आरक्षण की बात कर रही है। ऐसी दशा में पिछड़ी जातियों में किसका आरक्षण प्रतिशत कांग्रेस व मुलायम कम करेंगे, यह निश्चित नहीं है। श्री गडकरी ने कहा कि भाजपा को जिताकर ही उत्तर प्रदेश में रामराज्य की स्थापना हो सकती है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन गडकरी ने 11 फरवरी को विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा के कार्यकाल में मा0 अटल जी की सरकार ने महंगाई पर नियंत्रण और काला बाजारी पर पूर्णतया रोक लगाई और भाजपा शासित राज्यों में गरीबों के लिए सस्ता अनाज व इलाज के लिए उत्तम व्यवस्था किया। लेकिन केन्द्र में बैठी कांग्रेस व प्रदेश में बैठी माया सरकार चोर–चोर मौसेरे भाई हैं। केन्द्र में बैठी सोनिया जी और प्रदेश में बैठी माया सरकार केवल और केवल लूट भ्रष्टाचार व घोटालों में लिप्त है। श्री गडकरी ने कहा गुण्डागर्दी, भ्रष्टाचार, अत्याचार का विकल्प तानाशाही, परिवारवाद आदि नहीं हो सकता है। उन्होंने जनता से आहवान किया कि वे राज्य के लिए प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाने का संकल्प लें। सभा को छत्तीसगढ़ के .षि मंत्री चन्द्रशेखर साहू ने भी संबोधित किया।

भाजपा का उद्देश्य सिर्फ राम मंदिर बनाना नहीं बल्कि रामराज्य साकार करना है : लालकृष्ण आडवाणी

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने 20 फरवरी को कानपुर के सेन्ट्रल पार्क शास्त्रीनगर में कांग्रेस–सपा–बसपा को देश की खस्ताहाल अर्थव्यवस्था, आसमान छूती महंगाई, सरकारी धन की लूट, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी के लिए जिम्मेदार बताया। उन्होंने इन दलों की रीति–नीति और नियत तीनों की जमकर खिंचाई की। श्री आडवाणी ने कहा कि जात–पांत

तथा लुभावने नारों में जनता को भ्रमित कर उनका शोषण करने वाले इन दलों का असली चेहरा उ0प्र0 के लोगों के सामने है। श्री आडवाणी ने कहा कि प्रदेश का धन हाथी बनाने में खर्च किया जा रहा है। इन सभी सवालों को जवाब भाजपा की सरकार दे सकती है। आने वाले चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को बहुमत में लाना होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के दो उपहार महंगाई और भ्रष्टाचार, और मायावती के तीन उपहार हत्या–लूट–अत्याचार। सभा को प्रदेश अध्यक्ष श्री सूर्य प्रताप शाही ने भी संबोधित किया।

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने 17 फरवरी को लखनऊ में कपूरथला की चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा का उद्देश्य केवल राम मंदिर बनाना नहीं बल्कि आदर्श राज्य की परिकल्पना रामराज्य को साकार करना है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार, साम्प्रदायिकता तथा जातिवाद के दोष के चलते अच्छा शासन संभव नहीं। उन्होंने कांग्रेस पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि आज तक भ्रष्टाचार के मामले में किसी भी सरकार के इतने मंत्री जेल नहीं गए जितने मनमोहन सराकर के मंत्री जेल गए। श्री आडवाणी ने अपने संबोधन में कहा कि केन्द्र सरकार की गलत नीतियों को महंगाई के लिए जिम्मेदार बताया। श्री आडवाणी ने कहा देश में महंगाई और भ्रष्टाचार बड़े मुद्दे हैं। केन्द्र सरकार घोटालों की सरकार हो गई है। श्री आडवाणी ने केन्द्र सरकार पर कालेधन के मुद्दे पर गंभीर न होने का आरोप लगाया। श्री आडवाणी ने बुंदेलखंड में सूखे व पानी की कमी की चर्चा करते हुए कहा कि राजग सरकार के दौरान अटल जी के नेतृत्व में हमने योजनाएं बनाई थी जिसे मनमोहन सरकार ने ठप कर दिया। उन्होंने विकास के मुद्दे की चर्चा करते हुए कहा कि जिन प्रदेशों में भाजपा की सरकारें हैं वहां विकास कार्यों में मानक बनाए हैं। हमारा सपना दुनिया में भारत को प्रथम स्थान पर लाना है। उन्होंने यह भी कहा कि पं0 नेहरू की सरकार से लेकर अब तक जितनी सरकारें बनी महमोहन सरकार भ्रष्टतम सरकार है। उन्होंने कहा कि देश की खुशहाली व विकास के लिए इन सरकारों का जाना नितान्त आवश्यक है।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन गडकरी ने जनसभा का संबोधित करते हुए भ्रष्टाचार, महंगाई और विकास के मुद्दे पर केन्द्र और उ0प्र0 की सरकार की जमकर खिंचाई की। उन्होंने पिछले चुनाव में कांग्रेस के नारे 'सोनिया की बात पर–मुहर लगेगी हाथ पर' पर करारा व्यंग करते हुए कहा कि सोनिया की बात पर देश लूटने का काम चल रहा है। उन्होंने माया सरकार को भ्रष्टाचार पर आड़े हाथों लेते हुए कहा कि सपा सरकार की गुण्डई, अराजकता, खराब कानून व्यवस्था का विकल्प उगाही नहीं हो सकती। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज चौहान ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि म0प्र0 में किए जा रहे विकास कार्यो की चर्चा की और कहा कि आप उ0प्र0 में भाजपा को भारी मतों से जिताएं उ0प्र0 भारत का सिरमौर प्रदेश बनेगा।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सूर्य प्रताप शाही ने अपने भाषण में कहा कि भाजपा चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में आएगी और हमारी स्पष्ट बहुमत से प्रदेश में सरकार बनेगी।

सभा को लखनऊ पूर्व के प्रत्याशी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री कलराज मिश्र, आशुतोष टंडन ने संबोधित किया तथा वरिष्ठ भाजपा नेता एवं सांसद लालजी टंडन ने स्वागत भाषण किया। श्री लालकृष्ण आडवाणी ने सभी प्रत्याशियों सुरेश श्रीवास्तव, सुरेश तिवारी, विद्यासागर गुप्त का परिचय कराते हुए लोगों से भाजपा को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की।

कांग्रेस, सपा और बसपा सिद्धांतहीन राजनीति करते हैं : डॉ. मुरली मनोहर जोशी

भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मुरली मनोहर जोशी ने 16 फरवरी को पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष ने स्वीकारा है कि भाजपा सरकार बनाने की ओर अग्रसर है। इसलिए सपा कांग्रेस को समर्थन करेगी। ये कोई नई बात नहीं है। दिल्ली में ये आज भी साथ–साथ हैं। परमाणु

करार, महंगाई, लोकपाल, पीएसी पर कांग्रेस, सपा और बसपा साथ रहे। इन पार्टियों ने भ्रष्टाचार उजागर करने में बाधा पहुंचाई है। अब मुलायम सिंह ने स्पष्ट कर दिया है कि वो कांग्रेस के साथ रहेंगे। ये उनका गुप्त समझौता है शायद असावधानी से उजागर कर दिया है। कांग्रेस, सपा और बसपा तीनों दल सिद्धांतहीन राजनीति करते हैं। आम आदमी को इसे समझना चाहिए।

श्री जोशी ने कहा कि कांग्रेस दूसरी पार्टियों के घोषणा–पत्रों को फाड़ रही है जो नीति और सिद्धांतों पर चुनाव नहीं लड़ना चाहती। कहां तो घोषणा–पत्रों पर स्वस्थ बहस होनी चाहिए थी पर हो कुछ और रहा है। जो लोकतंत्र की भूमिका को समाप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री कहते हैं कि देश के 42 फीसदी बच्चे कुपोषित हैं। इस विषय पर महज बहस करने से काम नहीं चलेगा। बल्कि उन्हांने उनको पोषित करने के लिए क्या किया है ये बताना जरूरी है। डॉ. जोशी ने प्रधानमंत्री से सवाल किया कि आखिर जिस देश के 42 प्रतिशत लोग कुपोषण के शिकार होंगे तो वह देश कैसे आगे बढ़ सकता है। श्री जोशी ने कहा कि उधर योजना आयोग कहता है कि खाद्य प्रसंस्करण को बढाने के लिए गो मांस का निर्यात बढ़ना चाहिए। श्री जोशी ने पूछा कि क्या गोकसी कराकर सरकार कुपोषण दूर करेगी? जबकि सुप्रीम कोर्ट ने गो–वध पर प्रतिबंध लगा रखा है। उन्होंने पूछा कि क्या उत्तर प्रदेश में पशु वधशालाओं को लाइसेन्स देने जा रही है।

श्री जोशी ने कांग्रेस पर प्रहार करते हुए कहा कि कांग्रेस चुन–चुन कर संवैधानिक संस्थाओं की गरिमाओं के साथ खिलवाड़ कर रही है। सीएजी, पीएसी, इलेक्शन कमीशन सब को ठेंगा दिखाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बसपा सरकार में दलित एक्ट कानून का दुरूपयोग का मामला सामने आया है, जिसे भाजपा सत्ता में आने पर रोक लगायेगी और प्रदेश में कानून का शासन स्थापित करेगी।

डॉ. मुरली मनोहर जोशी ने 16 फरवरी को चित्रकूट जनपद की सदर वि0स0 में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस को भ्रष्टाचार एवं मंहगाई की जननी बताया।

डॉ. जोशी ने किसानों के लिये पेंशन योजना तथा प्रति हेक्टेयर सूखा राहत देने की बात कही। उन्होंने किसानों से कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर बिजली तथा सिंचाई मुफ्त कर दी जायेगी। सभा के दौरान कोटार्य समाज के जिलाध्यक्ष अपने साथियों के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की तथा भाजपा प्रत्याशी को जिताने के लिये वचनबद्धता दोहराई। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष दिनेश तिवारी, पूर्व सांसद रमेश चन्द्र द्विवेदी, पूर्व विधायक भैरो प्रसाद मिश्रा, चित्रकूट म0प्र0 के विधायक सुरेन्द्र गहरवार, पूर्व जिलाध्यक्ष लवकुश चतुर्वेदी, जिला महामंत्री चन्द्र प्रकाश खरे, अभिषेक मिश्रा, गया प्रयाद द्विवेदी, बद्री त्रिपाठी, देव त्रिपाठी सहित हजारों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कांग्रेस, सपा व बसपा से ऊबी जनता को सिर्फ भाजपा से आशा : राजनाथ सिंह

भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजनाथ सिंह ने 21 फरवरी को चुनावी जनसभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस महासचिव राहुल गांधी पांच साल में राज्य के विकास का झूठा वायदा जनता से कर रहे हैं। कांग्रेस ने चालीस साल तक इस राज्य पर शासन किया और उसी के शासनकाल में भदोही का कालीन उद्योग, कानपुर की कपड़ा मिलें, अलीगढ़ का ताला उद्योग और फिरोजाबाद का कांच उद्योग बिखर गया। उन्होंने कहा कि इन जिलों में यह कुछ ऐसे उद्योग थे जो उत्तर प्रदेश में ही नहीं बल्कि पूरे भारतवर्ष में प्रसिद्ध थे लेकिन कांग्रेस की गलत नीतियों से सभी उद्योग धंधे बर्बाद

हो गए।

श्री राजनाथ सिंह ने 20 फरवरी को गाजियाबाद विधानसभा में चुनावी सभा को संबोधित करते कहा कि पूरा प्रदेश भ्रष्टाचार व गुण्डागर्दी से त्रस्त है। बसपा के कार्यकाल में करोड़ों का घोटाला हुआ है। मुख्यमंत्री की जानकारी के बिना मंत्री कैसे करोड़ों का घोटाला कर सकते हैं। कांग्रेस जब भी सत्ता में आई उसने महंगाई बढ़ाने का काम किया है। राहुल और सोनिया महंगाई के खिलाफ एक शब्द भी नहीं बोलते।

श्री राजनाथ सिंह ने 18 फरवरी को टूण्डला विधानसभा में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की बदहाली के लिए बसपा, सपा और कांग्रेस की तिकड़ी जिम्मेदार है। जहां उत्तर प्रदेश में 'जंगलराज' चल रहा है वहीं केन्द्र में 'लूट' चल रही है। जनता कराह रही है पर केन्द्र और प्रदेश के मंत्री गरीबों के हक को मार कर भ्रष्टाचार में लिप्त है। इस बार प्रदेश की जनता ने बदलाव का मन बना लिया है।

भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजनाथ सिंह ने 17 फरवरी को फर्रूखाबाद जनपद के भोजपुर वि0स0 में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने 4.5 प्रतिशत अल्पसंख्यक आरक्षण को बढ़ाकर 9 प्रतिशत बनाने का तथा सपा द्वारा 18 प्रतिशत आरक्षण का वायदा करके पिछड़े वर्ग के हितों पर डाका डाला है। साम्प्रदायिकता का जहर घोला है और यह संविधान के खिलाफ है।

श्री राजनाथ सिंह ने 14 फरवरी को हुसैनगंज, फतेहपुर, में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि चुनाव आने पर कांग्रेस पार्टी यह कह रही है कि उत्तर प्रदेश में बसपा का हाथी केन्द्र का पैसा खा रहा है। साढ़े चार सालों तक कांग्रेस चुप रही। अब कांग्रेस महासचिव श्री राहुल गांधी को हाथी का पैसा खाना दिखाई दे रहा है। जनता पूछना चाहती है कि साढ़े चार साल तक कांग्रेस पार्टी क्या कर रही थी। श्री सिंह ने कहा कि एक तरफ केन्द्र में कांग्रेस पार्टी सपा–बसपा से समर्थन लेती है और उ0प्र0 में आकर इन दोनों पार्टियों का विरोध करने का स्वांग रचती है। कांग्रेस की यह नाटकबाजी बंद होनी चाहिए।

श्री राजनाथ सिंह ने 13 फरवरी को सुल्तानपुर जौनपुर की बदलापुर मड़ियाहू विधानसभा की चुनावी जनसभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि बसपा सरकार के शासनकाल में उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था की स्थिति लगातार बिगड़ी है। जिस अपराध पर लगाम लगाने के लिए जनता ने बसपा को सत्ता सौंपी थी उसे रोकने में वह पूरी तरह नाकाम साबित हुई है। क्योंकि हत्या, अपहरण और बलात्कार की घटनाएं सर्वाधिक उत्तर प्रदेश में हुई हैं।

भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राजनाथ सिंह ने 12 फरवरी को इलाहाबाद जनपद के फूलपुर वि0स0 में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस द्वारा यह दावा किया जाना कि बाटला हाऊस कांड की तस्वीरें देखकर उनकी अध्यक्षा को आंसू आ गए थे, साबित करता है कि वोटों के लिए कांग्रेस संवेदनाओं की भी राजनीति करती है। कांग्रेस पार्टी यह स्पष्ट करे कि सोनिया जी के आंसू किसके लिए बहे? उनकी संवेदना बाटला हाऊस में मारे गए आतंकियों के प्रति थी या घटना में शहीद हुए पुलिसकर्मियों के प्रति। जिस कांग्रेस पार्टी के नेता आतंकियों के मारे जाने पर आंसू बहाते हैं और मारे गए आतंकियों के घरों में जाते हैं उनके हाथों में देश और प्रदेश की बागडोर सुरक्षित नहीं रहेगी।

भाजपा ही दिला सकती है बसपा के कुशासन से मुक्ति : सुषमा स्वराज

भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेता एवं लोकसभा में विपक्ष की नेता श्रीमती सुषमा स्वराज ने 21 फरवरी को

अजीतमल वि.स. में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए केन्द्र की कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने फिल्मी पीपली लाइव के गीत 'सखी सैंया तो खूबई कमात हैं महंगाई डायन

खाई जात है' को गुनगुनाकर लोगों को महंगाई के मुद्दे पर जमकर झकझोरा। श्रीमती सुषमा स्वराज ने उपस्थित जनसमुदाय से हाथ उठवा कर मतदान के दिन उत्साह के साथ बूथ पर पहुंचकर भाजपा के पक्ष में मतदान करने का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जवाबदेही का सिद्धान्त है लेकिन देश व प्रदेश की सरकार ने इस कदर भ्रष्टाचार किया कि हर राष्ट्रवादी व्यक्ति का माथा शर्म से नीचा हो गया। श्रीमती स्वराज ने 'तू इधर उधर की बात न कर, ये बता काफिला क्यों लुटा' शेर पढ़कर प्रधानमंत्री और केन्द्र सरकार को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि लोकसभा के हर सत्र में हमने जब भी महंगाई और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर बहस कराई सपा–बसपा कांग्रेस के पाले में खड़ी रही।

गत 20 फरवरी को भारतीय जनता पार्टी के नोएडा विधानसभा क्षेत्र के उम्मीदवार डॉ महेश शर्मा के समर्थन में सेक्टर 21, स्थित रामलीला मैदान में विशाल जनसभा का आयोजन किया गया। इस जनसभा को भाजपा नेता सुषमा स्वराज, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री भुवन चन्द्र खंडुरी एवं उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी ने संबोधित किया। श्रीमती सुषमा स्वराज ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने सरकार बनाते ही मंहगाई को दस्तक दी और शुरू के छह माह में ही अलोकप्रिय हो गई। कुछ ही महीनों बाद घोटाले एवं घपलों का इतिहास रच बदनाम भी हो गई। उत्तर प्रदेश में सर्वजन सुखाय सर्वजन हिताय के नाम से सरकार बनाने वाली मायावती को जिस तरह जनता ने विश्वास कर मुख्यमंत्री बनाया था उन्होनं प्रदेश की जनता का अनादर कर सवजन हिताय का काम किया है। उन्होनें कहा समाजवादी पार्टी को अपना नाम बदलकर परिवारवादी पार्टी रख लेना चाहिए।

गत 17 फरवरी को प्रदेश मुख्यालय पर पत्रकारों से वार्ता करते हुए श्रीमती सुषमा स्वराज ने कहा कि कांग्रेस का चुनाव प्रचार मुद्दा विहीन होने के कारण अब नौटंकी पर उतर आया है। अखबार के पहले पन्ने पर कैसे फोटो छपे इसके लिए तरह–तरह की नौटंकी कांग्रेस के लोग कर रहे हैं। मंच पर प्रियंका द्वारा सोनिया के गाल पर चिकोटी काटना और राहुल द्वारा विपक्षियों का घोषणा–पत्र फाड़ना इसके उदाहरण हैं।

श्रीमती सुषमा स्वराज ने 13 फरवरी को चौक, लखनऊ में कहा कि बसपा ने सर्व समाज नहीं स्व समाज का कल्याण किया। सर्वसमाज की बात करने वालों ने बहुजन समाज का भी कल्याण नहीं किया। श्रीमती स्वराज ने कहा कि सपा की अराजकता के विरूद्ध ही जनता ने बसपा की झोली भरी थी। पुनः सपा की ओर नहीं जा सकती। कांग्रेस की मंहगाई और भ्रष्टाचार का समर्थन सपा–बसपा ने हमेशा किया। श्रीमती सुषमा स्वराज ने कहा कि शत्रु संपत्ति अधिकार लाकर राजा महमूदाबाद का भला करने वाले सलाम खुर्शीद पसमांदा मुसलमानों का भला नहीं कर सकते। श्रीमती स्वराज ने कहा कि कांग्रेस को बाटला हाउस के आतंकियों के शव देख आंसू आ जाते हैं, आतंकवादियों के लिए संदनाए शहीदों की अवहेलना यह काग्रेस का चरित्र है। कांग्रेस जब संकट में होती है सपा–बसपा उसे बचाने में खड़े हो जाते हैं। कांग्रेस का विकल्प सपा–बसपा नहीं हो सकते।

श्रीमती सुषमा स्वराज ने 11 फरवरी को अजगरा विधानसभा क्षेत्र में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस–सपा–बसपा तीनों एक ही हैं। इन तीनों को हटाने का एकमात्र विकल्प भाजपा ही है क्योंकि कांग्रेस ने केन्द्र में महंगाई के सवाल पर, परमाणु बिजली के मामले में हमेशा समर्थन लिया है। लोक लेखा समिति की रिपोर्ट के विरोध समाजवादी पार्टी, बसपा ने कांग्रेस का साथ दिया। ये सभी भ्रष्टाचार में लिप्त है। भारतीय जनता पार्टी ही इन दलों से मुक्ति दिलाएगी।

भाजपा ही साफ-सुथरी सरकार देने में सक्षम : अरुण जेटली

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री अरुण जेटली ने 12 फरवरी को एक सभा में कहा कि केन्द्र की संप्रग सरकार कमजोर हो गई है। तृणमूल कांग्रेस

के कांग्रेस से सैद्धांतिक मतभेद हैं। तृणमूल कभी भी सरकार से अलग हो सकती है। श्री जेटली हलवासिया कोर्ट में मध्य विधानसभा क्षेत्र एवं लखनऊ उ0 क्षेत्र प्रत्याशी अशुतोष टंडन के प्रत्याशी श्री विद्या सागर गुप्त के समर्थन में व्यापारी व वैश्य समाज की एक सभा तथा जानकीपुरम की एक विशाल जनसभा को सम्बोधित कर रहे थे। श्री विद्यासागर गुप्त ने श्री जेटली का स्वागत किया तथा सभा का संचालन भाजपा नेता श्री सुधीर एस हलवासिया ने किया।

नेता प्रतिपक्ष श्री जेटली ने कहा कि कांग्रेस की नीतियों के कारण तृणमूल कांग्रेस केन्द्र की संप्रग सरकार से अलग होने का कभी भी फैसला कर सकती है। कांग्रेस और तृणमूल के बीच सैद्धान्तिक मतभेद हैं। खुदरा व्यापार क्षेत्र में विदेशी पूंजी निवेश के सवाल पर तृणमूल कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी के साथ है।

भाजपा नेता ने कहा कि सपा–बसपा जातीय राजनीति करती हैं। इनका कोई सिद्धांत नहीं है। कांग्रेस इनकी कमजोरी का फायदा उठाती है। सपा–बसपा के समर्थन से ही केन्द्र सरकार चल रही है। परमाणु समझौते के सवाल पर समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस का समर्थन कर देश को खतरे में डाल दिया है।

आतंकवाद के सवाल पर श्री जेटली ने कहा कि बटाला हाउस काण्ड की जिम्मेदार इण्डियन मुजाहिदीन, सिमी का दूसरा रूप है। सुरक्षा एजेन्सियों और पुलिस ने बटाला एनकाउंटर में आतंकी संगठन की कमर तोड़ दी। परिणामस्वरूप दो वर्षों तक देश में कोई आतंकी घटना नहीं हुई। लेकिन कहा जा रहा है कि बटाला काण्ड की विडियो फुटेज देखकर सोनिया गांधी की आखों में आंसू आ गये। जेटली ने सवाल किया कि सन् 1984 के सिख दंगों, संसद पर हमले और मुम्बई बम कांड पर सोनिया क्यों नहीं रोई?

श्री जेटली ने कहा कि भाजपा साफ–सुथरी सरकार देने में सक्षम है। अटल जी की 6 साल की सरकार में किसी मंत्री पर कोई आरोप नहीं रहा। बिहार उदाहरण है कि भाजपा विकास की केवल बात ही नही करती बल्कि काम भी करती है। बिहार में विकास की बयार चल रही है, गुण्डे–माफिया भाग गये हैं।

वहीं सरस्वती शिशु मंदिर ए–ब्लाक इंदिरानगर, लखनऊ में जनसभा को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं नेता प्रतिपक्ष राज्यसभा अरूण जेटली ने कहा कि कांग्रेस मजहबी आधार पर आरक्षण कर समाज को बांट रही है। कांग्रेस वोट बैंक की राजनीति के लिए घृणित खेल खेल रही है। उन्होंने सरस्वती शिशु मंदिर ए–ब्लाक इंदिरानगर, लखनऊ में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस के इस खेल में सपा–बसपा भी शामिल हो गए हैं। उ0प्र0 में सपा, बसपा के शासन में काफी समानता रही। सपा के शासन में गुंडाराज था, तो बसपा के शासन में भारी भ्रष्टाचार, ध्वस्त कानून व्यवस्था रही। उन्होंने कहा कि जनता बसपा के शासन से मुक्ति चाहती है।

श्री जेटली ने कहा कि उ0प्र0 में कांग्रेस को अपने नए साथी की तलाश है। केन्द्र के समर्थन के लिए सपा–बसपा दोनों ही दल तत्पर रहते हैं। उन्होंने सपा–बसपा–कांग्रेस तीनों ही दलों को उ0प्र0 की बदहाली के लिए जिम्मेदार भी ठहराया। उन्होंने कहा कि पहले दो चरणों का चुनाव हो चुका है। बसपा काफी पीछे है। कांग्रेस केवल मीडिया में ही दिख रही है। भाजपा जीत रही है। श्री जेटली ने सभा में उपस्थित जनता से लखनऊ पूर्व विधानसभा सीट से श्री कलराज मिश्र को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील भी की।

अल्पसंख्यकों को मजहबी आरक्षण का अफीम पिलाकर वोट हथियाने में जुटी है कांग्रेसः मुख्तार अब्बास नकवी

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री मुख्तार अब्बास नकवी ने 19 फरवरी को कहा कि धर्मनिरपेक्षता एवं

मजहबी आरक्षण के ''फुंके कारतूस'' से मुस्लिम वोटों का शिकार करने वाले शिकारी खुद अपने ही राजनैतिक चालबाजी का शिकार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि

कांग्रेस–सपा–बसपा मुस्लिम वोटों के शोषकों और शिकारियों से आज मुसलमान अपनी गरीबी, बेरेजगारी, अशिक्षा और पिछड़ेपन का सूद–ब्याज के साथ हिसाब मांग रहा है। यह वे दल हैं जो वर्षों से मुसलमानों को अपनी राजनैतिक बैसाखी बनाकर सत्ता के सिंहासन तक पहुंचते रहे हैं।

श्री नकवी ने मुरादाबाद के मूंण्डा पाण्डे में अल्पसंख्यकों की एक विशाल रैली को संबोधित करते हुए कहा कि आठ वर्षो तक कांग्रेस और बसपा, सपा अल्पसंख्यकों के आर्थिक–सामाजिक–शैक्षणिक हालात पर आंख बंद कर सत्ता का सुख भोगती रही, यह पार्टियां अब चुनाव आते ही फिर एक बार ''आरक्षण की अफीम पिलाकर'' अल्पसंख्यकों, विशेषकर मुसलमानों को वोटों पर कब्जे की साजिश रही है, जो कि मुसलमानों की जागरूकता के चलते नाकाम हो रही है।

श्री नकवी ने आरक्षण का अलाप करने वाले दलों को आईना दिखाते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में आठ वर्षो से मुसलमानों की नौकरियों में हिस्सेदारी 42प्रतिशत घटी है। जबकि यह भागीदारी मध्य प्रदेश में 31प्रतिशत, बिहार में 38 प्रतिशत, गुजरात में 34 प्रतिशत और छत्तीसगढ़ में 24प्रतिशत बढ़ी है। यह वे भाजपा शासित राज्य हैं जहां धार्मिक आरक्षण की राजनैतिक शगूफे के बिना भी मूसलमानों को प्रगति की मुख्य धारा में तेजी से शामिल करने की ईमानदार राजनैतिक इच्छाशक्ति के चलते समाज का यह हिस्सा तरक्की का एकसास कर रहा है।

श्री नकवी ने कहा कि कांग्रेस के अपने साठ वर्षो की नाकामी के दस्तावेज ष्सच्चर कमेटी, रंगनाथ मिश्र कमेटी, की रिपोर्ट कांग्रेस दतर के गोदामों की शोभा बढ़ा रही है। देश के अल्पसंख्यकों की आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक प्रगति में पूरी तरह नाकाम रही केन्द्र एवं प्रदेश सरकार फिर एक बार मुस्लिम वोटों के राजनैतिक शोषण का षड्यंत्र में लग गई है। इस बार यह पिटा–पिटाया फार्मूला बुरी तरह फेल हो रहा है। अपनी नाकामी और अल्पसंख्यकों में ऐसे दलों के प्रति आक्रोश से बौखला, दल ''बाटला हाऊस–बुखारी हाऊस'' की परिक्रमा के साथ आतंकवाद का भी साम्प्रदायीकरण कर रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मुख्तार अब्बास नकवी, पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने 14 फरवरी को इलाहाबाद पश्चिमी से भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में विशाल जनसभा को संबोधित किया। सभा को संबोधित करते हुए श्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि केन्द्र व प्रदेश में जब भाजपा की सरकार थी तब कानून व्यवस्था चुस्त दुरस्त थी। महंगाई पर नियंत्रण था। पूरे देश का हिन्दू मुसलमान चौन की सांस ले रहा था। न व्यापारी लुट रहा था और न ही जनता लुट रही थी। इस प्रदेश की जनता अब बसपा से निजात पाना चाहती है। निश्चित ही प्रदेश में भाजपा की सरकार बनेगी और रामराज्य आएगा।

आचारसंहिता का उल्लंघन कर सुर्खियां बटोरने में लगे हैं कांग्रेसी : कलराज मिश्र

भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री कलराज मिश्र ने 24 फरवरी को कहा कि प्रदेश में अपने अस्तित्व को बचाने के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आचारसंहिता का उल्लंघन कर सुर्खियां बटोरने में लगे हैं। उन्होंने कांग्रेस पर लोकतांत्रिक परम्पराओं के हनन का आरोप लगाते हुए कहा कि देश में आपातकाल की जनक कांग्रेस उप्र के विधानसभा चुनाव में हताश व निराश है। कांग्रेस के सहयोगी दलों सपा–बसपा को जनता द्वारा नकार दिए जाने के बाद ये तीनों दल भयभीत हो गए हैं। इसी भय के कारण कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के भीतर की छूपी बात मुंह पर आ रही

है और वे प्रदेश में अपनी विजय की बात न कर राष्ट्रपति शासन की बात कह रहे हैं।

श्री मिश्र ने कहा कि आज छाता विधानसभा (मथुरा) में भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने राज्य में सत्तारूढ़ बसपा सरकार पर हमलावर होते हुए कहा साढ़े चार साल तक प्रदेश को लूटने वाली बसपा का जनाधार खिसक गया है। उन्होंने कहा कि केन्द्र में यूपीए सरकार के मंत्रियों पर भ्रष्टाचार को लेकर गंभीर आरोप लगे तो राज्य मंत्रीमंडल के अधिकांश सदस्यों पर भी अपने पदों का दुरूपयोग कर अवैध रूप से धन उगाही के अकूत संपत्ति अर्जित किए जाने के आरोप लोकायुक्त की जांच में सही पाए गए।

श्री मिश्र ने कहा कि जनता को सपा सरकार के गुण्डाराज की याद दिलाते हुए कहा कि जिस सरकार में

लोकतांत्रिक स्तम्भों पर हमला बोला गया हो वह राज्य में सुशासन कैसे दे सकते हैं। बसपा के भ्रष्टाचार व अपराध का विकल्प सपा का हल्ला बोल व गुण्डाराज नहीं हो सकता। श्री मिश्र ने उप्र की दुर्दशा के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि अपनी अल्पमत की केन्द्र सरकार को चलाने के लिए कांग्रेस ने सीबीआई का दुरूपयोग किया। कांग्रेस ने सपा व बसपा प्रमुख पर चल रहे आय से अधिक संपत्ति रखने के मामलों की जांच में सीबीआई द्वारा मदद कराई।

श्री मिश्र ने जनता को सचेत किया कि वे राज्य को पिछड़ेपन की श्रेणी में जाने से बचाने के लिए आगे आएं। उन्होंने जनता का आह्वान किया कि प्रदेश में सुशासन बेहतर कानून व्यवस्था, बेरोजगारों को रोजगार व महिलाओं के सम्मान के लिए भाजपा की सरकार बनाएं।

कानून व्यवस्था दुरूस्त होगी। गुण्डे बदमाश जेल में होंगे। विकास की गंगा बहेगी, जातिवाद टूटेगा।

भाजपा के सत्ता में आते ही मजहबी आरक्षण वापस होगा : विनय कटियार

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विनय कटियार ने 10 फरवरी 2012 को पार्टी कार्यालय में पत्रकारों को संम्बोधित करते हुए कहा कि जिनको धर्म के आधार पर आरक्षण चाहिए वो पाकिस्तान चला जाय उनके लिए भारत में कोई जगह नहीं है। ये काम कांग्रेस पार्टी के लोग कर रहे है। सलामान खुर्शीद के बयान 'बटाला हाउस इन्काउंटर की फोटो देखकर सोनिया गांधी रो पड़ी थी' पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए श्री कटियार ने कहा कि केन्द्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद को ये बात अभी क्यों याद आई? बाटला एंकाउंटर में इंस्पेक्टर मोहन शर्मा शहीद हुए, संसद पर हमले पर कई सिपाही मारे गए, मुम्बई ताज हमले में कई बेगुनाहों की जांन गई, मुम्बई रेल और स्टेशन पर आतंकी घटना में कई लोगों के मारे जाने पर क्या कभी सोनिया गांधी को आंसू आए।

श्री विनय कटियार ने 14 फरवरी को वाराणसी जनपद के अजगरा विधानसभा में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि उ0प्र0 में भाजपा की सरकार बनने पर किसानों के 1 लाख तक के कर्ज माफ कर दिए जाएंगे। ट्यूबेल के लिए बिजली मुत दी जाएगीं। नौजवानों को 2 हजार रू0 प्रतिमाह भत्ता, छात्रों को लेपटाप, गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले गरीब लोगों को दूध देने वाली गाय, बुजूर्ग पुरूष महिलाओं के 2 हजार रू0 प्रतिमाह दिया जाएगा तथा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री विनय कटियार ने 18 फरवरी को प्रतापगढ़ जनपद के विधानसभा रामपुर, रानीगंज एवं विश्वनाथगंज में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस और सपा धर्म के नाम पर आरक्षण देने की हक में है। धर्म आधारित आरक्षण पिछड़े वर्ग के कोटे से दिया जा रहा है। जिसका तात्पर्य है पिछड़े वर्ग के लोगों के साथ सपा को कांग्रेस धोखा दे रही है। केन्द्र की कांग्रेस सरकार आकंठ भ्रष्टाचार में डूबी है। श्री कटियार ने कहा कि भाजपा सरकार प्रदेश में आई तो धर्म आधारित आरक्षण वापस होगा।

सपा, बसपा और कांग्रेस के प्रति जनता आक्रोशित : सूर्य प्रताप शाही

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री सूर्य प्रताप शाही ने 21 फरवरी को कहा कि कांग्रेस हड़बडी में गड़बड़ी पर गडबड़ी किए जा रही है। ये गड़बड़ी भी ऐसी वैसी नहीं है बल्कि संविधान, कानून और लोकतंत्र विरोधी है और ये कांग्रेस की हार की बैखलाहट भी है।

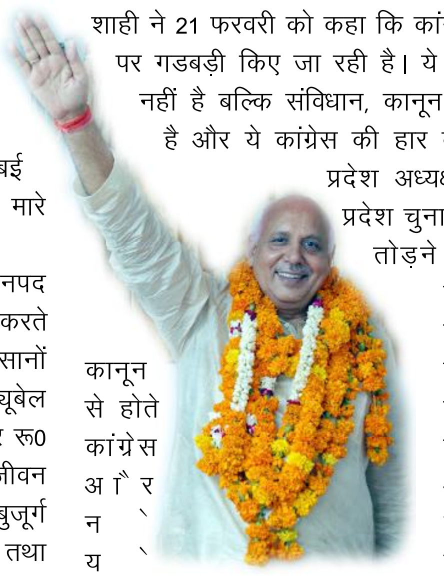

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि उत्तर प्रदेश चुनाव में कांग्रेस ने कानून तोड़ने का एक अंतहीन सिलसिला शुरू कर दिया है। केन्द्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद हुए बेनी प्रसाद वर्मा, के दामाद रॉबर्ट बाड्रा अब खुद राहुल गांधी कानून को धता बताकर साबित कर दिया है

कानून से होते कांग्रेस और न ` य `

कि कानून तोड़ना उनकी रणनीति का हिस्सा है।

श्री सूर्य प्रताप शाही ने 15 फरवरी को सपा–बसपा–कांग्रेस की चुनाव घोषणाओं और प्रतिबद्धताओं का एक तुलनात्मक विवरण जारी करते हुए कहा कि इससे स्पष्ट हो जाएगा कि तुलनात्मक रूप से सबसे अच्छा दल कौन है और उ0प्र0 की तस्वीर कौन बदल सकता है?

चुनाव में अच्छे मत प्रतिशत पर लोकतंत्र के प्रति जागरूकता के लिए भाजपा अध्यक्ष ने प्रदेश की जनता को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि कि 5 वर्ष की उ0प्र0 सरकार की दुरनीतियों से प्रदेश की जनता आजिज आ चुकी है। केन्द्र सरकार के घोटाले व मंहगाई सपा सरकार में हल्ला बोल, प्रदेश में बसपा और केन्द्र की कांग्रेस सरकार के कुकृत्यों से आम आदमी आक्रोशित है।

कांग्रेस देश में फिर एक बंटवारे की नींव डाल रही है : उमा भारती

भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेता सुश्री उमा भारती ने 12 फरवरी को कौशाम्बी के मंझनपुर विधानसभा में पार्टी प्रत्याशी सुरेश नागर चौधरी के समर्थन में चुनावी जनसभा

को संबोधित करते हुए कहा कि कौशाम्बी जनपद की जो समस्या या बदहाली है उसका दोष आपका या जनता का नहीं, दोष उनमें है जिसे आप चुनकर भेजते हैं। मुलायम सिंह पिछड़ों की राजनीति करके अपना घर चमका लिए, मायावती दलितों की रहनुमा बनकर करोड़ों रूपए की अकूत संपत्ति जमा कर ली। अल्पसंख्यकों को आरक्षण देकर कांग्रेस देश में फिर एक बंटवारे की नींव डाल रही है।

सुश्री उमा भारती ने 13 फरवरी को जनपद रायबरेली के असोहा, बछरांवा, विधानसभा क्षेत्र में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए सलमान खुर्शीद के बयान पर चुनाव आयोग को खुली चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि आचार संहिता की धज्जियां उड़ाने वाले खुर्शीद को अगर चुनाव आयोग ने जेल नहीं भिजवाया या उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही नहीं की तो मान लूंगी कि आयोग डर गया है। साथ ही बटाला हाउस कांड के सवाल पर उन्होंने सोनिया गांधी को खुद सामने आकर बताने की अपील की है कि वे रोई थीं या नहीं और अगर रोई थीं तो आतंकवादियों की मौत पर या इंस्पेक्टर मोहन शर्मा की शहादत पर। उमा भारती यहां भाजपा प्रत्याशी डॉ. एमडी पासी के समर्थन में विशाल जनसभा को संबोधित कर रही थीं

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के संसदीय क्षेत्र में सोनिया, राहुल और कांग्रेस पर जमकर हमला बोलते हुए सुश्री भारती ने रायबरेली के पिछेड़पन, यहां की गरीबी और लोगों के दुखों के लिए कांग्रेस और नेहरू खानदान को जिम्मेदार ठहराया। हमें दुख है कि आप जिन्हें चुनकर भेजते हैं, वह जानबूझकर आपको गरीब बनाए रखने का प्रयास करते हैं।

सुश्री उमा भारती ने 14 फरवरी कहा है कि अमेठी और रायबरेली में कांग्रेस की इज्जत बचाने के लिए पूरा नेहरू खानदान वोट की भीख मांग रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश माया और मुलायम के दुष्चक्र में फंसा है। लेकिन यह मेरा सौभाग्य है कि जिस तरह 2005 में पार्टी ने मुझे बिहार में लालू–राबड़ी के दुष्चक्र को तोड़ने का जिम्मा सौंपा था, उसी तरह उत्तर प्रदेश में यह दुष्चक्र तोड़ने का जिम्मा सौंपा है। मैं तारणहार नहीं, बल्कि सेवक हूं। साध्वी उमा भारती मध्य विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी विद्या सागर गुप्त के समर्थन में बालू अड्डा में सभा को संबोधित कर रही थीं।

सुश्री उमा भारती ने 17 फरवरी को कानपुर की महराजपुर विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी विधायक सतीश महाना के समर्थन में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि जब हम लोग अपना घर बनवाते हैं तो वास्तुशास्त्र का ध्यान रखते हुए बनाते हैं कसाई के घर में कोई वास्तुशास्त्र नहीं होता। सपा का घर जिस मेटेरियल से बना है उसमें सभी जाति के अपराधी व गुन्डे शामिल हैं। इसी तरह बसपा का घर बनाने में सभी जाति व धर्म के भ्रष्टाचारी, घोटालेबाज व अराजकतत्व शामिल हैं। ■

'एनसीटीसी की स्थापना करके यूपीए ने संविधान के संघीय ढांचे पर प्रहार किया है'

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रवक्ता श्री जगत प्रकाश नड्डा द्वारा 18 फरवरी, 2012 को जारी प्रेस वक्तव्य

नवम्बर, 2009 में मम्बई आतंकी हमले की पहली वर्षगांठ के अवसर पर केन्द्रीय गृह मंत्री पी. चिदम्बरम ने भारत की सुरक्षा सम्बन्धी मुद्दों के समाधान के लिए एक विस्तृत व्यवस्था किये जाने की बात कही थी। इस योजना के एक अंग के रूप में उन्होंने राष्ट्रीय आतंकरोधी केन्द्र की परिकल्पना की थी जो रॉ, खुफिया ब्यूरो और एनएसजी जैसी विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय, तालमेल और गतिशीलता लाने के लिए प्रधान निकाय होगा। उस समय गृहमंत्री ने कहा था कि यह उनकी "हार्दिक इच्छा" है कि इससे मैदानी जंग" (टर्फ वार) नहीं होनी चाहिए। वर्तमान स्थिति के अनुसार एनसीटीसी खुफिया ब्यूरो के अधीन एक और एजेंसी बनकर रह गया है। आतंकवाद को रोकने एवं उसे समाप्त करने के लिए निगरानी रखने के उद्देश्य से बनाये गये एनटीआरओ का इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों पर नजर रखने के लिए किया जा रहा है।

भारतीय संविधान की अनुसूची 7 के अनुसार कानून एवं व्यवस्था राज्य का विषय है। यद्यपि राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर भारत सरकार आवश्यक पहल कर सकती है, तथापि यह आशा की जाती है कि वह ऐसा परामर्श लेकर तथा आम सहमति बनाकर ऐसा करेगी। कांग्रेसनीत यूपीए हठी है और अनेक संजीदा मामलों पर उन्होंने राज्यों से सलाह मशविरा किये बिना ही कार्यवाही की है। बांग्लादेश के साथ तीस्ता समझौता, मल्टीब्रैंड खुदरा में एफडीआई, साम्प्रदायिक हिंसा विधेयक ऐसे कुछ ताज़ा उदाहरण हैं, जहां पर केन्द्र सरकार ने 'ऐसा करने के अधिकार' के बहाने अपने एजेंडे की पूर्णतया अनदेखी की है। भाजपा का यह दृढ़ विश्वास है कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आतंकवाद के विरूद्ध लड़ाई के मामलों में कोई समझौता नहीं किया जा सकता। अगस्त, 2011 में संसद में बोलते समय, राज्यसभा में विपक्ष के नेता, श्री अरूण जेटली ने सरकार को याद दिलाया था कि एनआईए राष्ट्र की अपेक्षा के अनुरूप कार्य करने में विफल रहा है। उन्होंने कहा था "तीन वर्षों में एनआईए ने उस बड़े षड्यंत्र के लिए मुम्बई मामले की जांच की, जिसमें देश और देश से बाहर के सैकड़ों षड्यंत्रकारी शामिल हैं, केवल एक व्यक्ति को दोषी पाया गया है।"

भारत को सुरक्षित बनाने में इस सरकार के प्रयासों से विश्वास पैदा नहीं हुआ। राज्यसभा में अपना भाषण समाप्त करते हुए श्री जेटली ने अगस्त, 2011 में कहा था "राष्ट्रीय सुरक्षा वोट बैंक नीतियों के ऊपर है। आपको आतंक को रोकने, आतंक का मुकाबला करने और आतंकवादियों को दण्डित करने की व्यवस्था को मजबूत बनाना होगा। माननीय गृहमंत्री को मेरा अंतिम परामर्श है कि राष्ट्रीय हितों और सभी राष्ट्रभक्त भारतीयों की भावनाओं को ध्यान में रखें। यदि आप आतंक विरोधी कड़ी नीति अपनाते हैं, तो आप इस देश की बेहतर भलाई कर सकते हैं।"

यूपीए वोट बैंक की राजनीति कर रही है। वह राज्यों की परवाह किये बिना सभी शक्तियां स्वयं हड़पती जा रही है। एक ओर वह राज्य सरकारों को आतंकवाद के विरूद्ध उनकी लड़ाई में सुविधाएं प्रदान नहीं कर रही। गुजरात सरकार का GUJCOC (संगठित अपराध निवारण विधेयक) वर्षों से केन्द्र की स्वीकृति के लिए लंबित है, जबकि महाराष्ट्र में वर्षों से इस प्रकार का कानून विद्यमान है। गैर–कानूनी गतिविधि निवारण अधिनियम में पोटा के अनेक उपबंध शामिल किये गये हैं। राजनीतिक कारणों से पोटा की आलोचना की जा रही है, परन्तु उसे एक वैकल्पिक नाम से वैध बताया जा रहा है। एनटीआरओ, जिसे निगरानी रखने की एजेंसी के रूप में बनाया गया था, राजनीतिक निगरानी रखे जाने के लिए चर्चा में बना हुआ है। जिस तरीके से एनसीटीसी राज्यों से सलाह मशविरा किये बिना एक कार्यकारी आदेश द्वारा स्थापित किया जा रहा है, उस पर तृणमूल कांग्रेस जैसे यूपीए के अपने सहयोगी दल भी आपत्ति उठा रहे हैं। यूपीए ने आतंक से लड़ने के बजाय उसे कलर कोड देने का सफल अभियान चलाया है। बिना सलाह मशविरा किये एनसीटीसी की स्थापना करके, जो राज्यों के क्षेत्राधिकार को हड़पने जैसी बात है, यूपीए ने हमारे संविधान के संघीय ढांचे पर स्पष्ट रूप से प्रहार किया है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि राज्य इसके विरूद्ध खड़े हो रहे हैं। भाजपा मांग करती है कि इस मामले पर चर्चा करने के लिए अन्तर्राज्यीय परिषद् की बैठक तुरंत बुलाई जानी चाहिए। ■

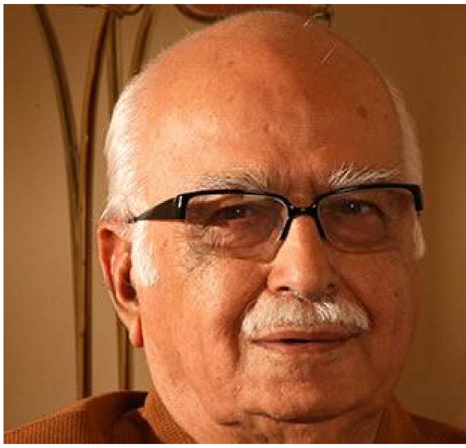

कांग्रेस ने किया उत्तर प्रदेश चुनाव अभियान का साम्प्रदायीकरण

लालकृष्ण आडवाणी

www.blog.lkadvani.in

भारतीय चुनावों के इतिहास में, पिछले सप्ताह घटित तीन घटनाओं का अतीत में कोई साम्य नहीं मिलता।

पहली, भारतीय जनता पार्टी की ओर से चुनाव आयोग को की गई शिकायत पर आयोग ने विधि, न्याय एवं अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद की आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने पर सार्वजनिक रूप से निंदा की।

दूसरे, विधि मंत्री ने चुनाव आयोग के आदेश की अवहेलना की। आयोग ने कहाः

"श्री खुर्शीद आज (11 फरवरी, 2012) भी यह वक्तव्य देते देखे गए कि आयोग भले ही चाहे जो निर्देश दे, वह अपने पूर्व वक्तव्य पर कायम हैं। वास्तव में, केन्द्रीय मंत्री ने आगे यह भी कहा "यदि वे मुझे फांसी भी दे दें" तो भी वह अपने पूर्व बयान पर अडिग रहेंगे। हमारा मानना है कि केंद्रीय मंत्री के तेवर आयोग द्वारा उनको दिए गए विधिपूर्ण निर्देश के प्रति उपेक्षापूर्ण और अपमानसूचक हैं।"

तीसरे, चुनाव आयोग "आचार संहिता के उल्लंघन पर पश्चाताप करने के बजाय (उनके) अवज्ञा करने और आक्रामक होने पर चकित" हुआ और पूर्ण आयोग की "आपात बैठक" बुलाने का निर्णय लिया। आयोग ने राष्ट्रपति महोदय को लिखे अपने पत्र में सूचित किया किः

"आयोग, संवैधानिक प्राधिकारों के नाजुक संतुलन में एक मंत्री के अनुचित और गैरकानूनी आचरण के चलते आए खिंचाव से काफी चिंतित है।"

राष्ट्रपति को भेजे आयोग के पत्र का अंतिम पैराग्राफ निम्न हैः–

"भारत के चुनाव आयोग को यह आवश्यक और अनिवार्य लगा कि वह इस मौके पर आपके तत्काल और निर्णायक हस्तक्षेप का अनुरोध करे ताकि उत्तर प्रदेश विधान सभा के चल रहे चुनावों को सम्पन्न कराया जा सके, और यह आयोग अपने दायित्व का निर्वाह संविधान और कानून के तहत कर सके।"

~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~

भारतीय जनता पार्टी की ओर से चुनाव आयोग को की गई शिकायत पर आयोग ने विधि, न्याय एवं अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद की आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने पर सार्वजनिक रूप से निंदा की।

यहां पर इस संबंध में चुनाव आयोग के निर्देश के कुछ मुख्य अंशों को उद्धृत करना उपयोगी होगा। निर्देश कहता हैः

"आदर्श आचार संहिता कहती है कि मंत्रीगण किसी भी रूप या वायदों के जरिए कोई वित्तीय अनुदान की घोषणा नहीं करेंगे। आयोग के सुविचारित मत के अनुसार मतदाताओं के एक विशिष्ट वर्ग को रोजगार का वायदा भी उस वर्ग के सदस्यों को विशेष वित्तीय अनुदान जैसा ही है जोकि सरकारी नौकरियों और उससे मिलने वाले पारिश्रमिक के रूप में है। इसके अलावा, आदर्श आचार संहिता जाति या साम्प्रदायिक भावनाओं के आधार पर अपील पर भी प्रतिबंध लगाती है। यहां पर, आयोग का यह सुविचारित मत है कि अल्पसंख्यकों को 9 प्रतिशत सीट आरक्षित करने का वायदा, मतदाताओं के एक विशेष वर्ग को अपने पक्ष में प्रभावित करने का प्रयास है, जो 10 जनवरी, 2012 को सभी राष्ट्रीय और स्थानीय समाचारपत्रों में प्रकाशित हुआ
~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~

है कि प्रतिवादी ने अल्पसंख्यकों के लिए सीट आरक्षित करने सम्बन्धी उक्त वायदा करते समय विशेष रूप से जोड़ा कि उत्तर प्रदेश में ऐसा आरक्षण मुस्लिमों को मिलेगा।

"आयोग इस अपरिहार्य निष्कर्ष पर पहुंचा है कि श्री सलमान खुर्शीद ने मतदाताओं के एक विशेष वर्ग अल्पसंख्यकों के लिए, अन्य पिछड़ा वर्गों के 27 प्रतिशत कोटे में से 9 प्रतिशत सीटें आरक्षण देने का वायदा किया। आयोग इस पर भी संतुष्ट है कि श्री सलमान खुर्शीद द्वारा किया गया यह वायदा विधि और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री के रूप में किया गया। अतः, उपरोक्त वायदा कर श्री सलमान खुर्शीद ने आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया है। इसलिए, आयोग आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन पर अपना गहन दुःख और निराशा को प्रकट करने से नहीं रोक सकता। केंद्रीय विधि और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री के रूप में उन पर आदर्श आचार संहिता का शब्दशः पालन करने की जिम्मेदारी आती है ताकि चुनाव निर्भीक और निष्पक्ष ढंग से हो सकें तथा सभी राजनीतिक दलों को चुनाव अभियानों के मामले में एक समान अवसर मिल सके।"

उत्तर प्रदेश में अपने चुनाव प्रचार अभियान के दौरान मैंने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि वे अपने मंत्रिमण्डलीय सहयोगी सलमान खुर्शीद को, आयोग द्वारा राष्ट्रपति को लिखे गए पत्र जिसमें विधिमंत्री के आचरण को "अनुचित और गैरकानूनी कार्रवाई" वर्णित किया है, के गंभीर आयामों से अवगत कराएं और आयोग से माफी मांगने को कहें। मैंने यह भी कहा कि यदि वे (सलमान खुर्शीद) ऐसा करने में असफल रहते हैं तो उन्हें मंत्रिमण्डल से बर्खास्त कर दिया जाए।

उत्तर प्रदेश में अपने चुनाव प्रचार अभियान के दौरान मैंने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि वे अपने मंत्रिमण्डलीय सहयोगी सलमान खुर्शीद को, आयोग द्वारा राष्ट्रपति को लिखे गए पत्र जिसमें विधिमंत्री के आचरण को "अनुचित और गैरकानूनी कार्रवाई" वर्णित किया है, के गंभीर आयामों से अवगत कराएं और आयोग से माफी मांगने को कहें। मैंने यह भी कहा कि यदि वे (सलमान खुर्शीद) ऐसा करने में असफल रहते हैं तो उन्हें मंत्रिमण्डल से बर्खास्त कर दिया जाए।

अनुमानतः, प्रधानमंत्री की सलाह पर विधि मंत्री ने आयोग को पत्र लिखकर खेद प्रकट किया, जिसके आधार पर चुनाव आयोग ने मामले को समाप्त मान लिया।

कभी भी कांग्रेस पार्टी या इसके नेताओं ने किसी विधानसभाई चुनावों का होशो–हवास तथा जानबूझकर इतना साम्प्रदायिकरण नहीं किया जितना कि सन् 2012 में उत्तर प्रदेश में किया है।

सलमान खुर्शीद प्रकरण ही इस तथ्य को पुष्ट करने वाली एकमात्र घटना नहीं है।

दिग्विजय सिंह द्वारा हाल ही में दिए गए वक्तव्य कि आतंकवादियों से बटाला हाऊस मुठभेड़, फर्जी मुठभेड़ थी, इसका एक और उदाहरण है।

खुर्शीद के खेद वाले पत्र के बाद बेनी प्रसाद वर्मा ने वही दोहराया है जो खुर्शीद ने कहा था। चुनाव आयोग ने वर्मा को भी नोटिस जारी किया है। यदि वह भी वही करते हैं जो खुर्शीद ने किया तो जेटली की यह शंका सही सिद्ध होगी कि ये वक्तव्य एक संवैधानिक संस्था की अवज्ञा के निजी नहीं अपितु पार्टी के चुनाव प्रबन्धकों द्वारा चुनावों की दृष्टि से सुनियोजित षड़यंत्र का अंग हैं। यह महत्वपूर्ण है कि पार्टी ने औपचारिक रूप से अपने को खुर्शीद के बयानों से अलग किया है, परिवार ने नहीं। परिवार के युवा प्रचारक ने उत्साहपूर्वक विधि मंत्री का समर्थन किया है। ■

सतपाल सत्ती बने हिमाचल प्रदेश भाजपा अध्यक्ष

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन गडकरी ने 20 फरवरी 2012 को हिमाचल प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष पद के लिए वर्तमान विधायक श्री सतपाल सत्ती को नियुक्त किया। श्री सतपाल सत्ती दूसरी बार विधायक निर्वाचित हुए हैं और वर्तमान में हिमाचल विधानसभा के मुख्य संसदीय सचिव हैं। वर्तमान अध्यक्ष श्री खीमीराम शर्मा ने प्रदेश में चल रहे राजनैतिक गतिविधियों में स्वयं का त्यागपत्र माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन गडकरी को सौंपा था। जिससे यह पद रिक्त हुआ था। ■

गडकरी के नये प्रयोग की निर्देशिका - विकास के पथ

–डॉ. कुलदीप चन्द अग्निहोत्री

नितिन गडकरी जब भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने तो मीडिया में उनको लेकर काफी चर्चा हुई तथा कयास लगे। मुख्य चर्चा थी कि आखिर गडकरी कौन है? इसके साथ एक परिशिष्ट भी लगा रहता था कि क्या वे भाजपा को संभाल पाएंगे और उसे उस प्रकार की जीवंतता प्रदान कर सकेंगे, जिसकी वर्तमान परिप्रेक्ष्य में उसे सबसे ज्यादा जरूरत है? इससे पहले नागपुर से ही बच्छराज व्यास भारतीय जन संघ के अध्यक्ष बने थे और उन्होंने बलराज मधोक के बाद पार्टी की कमान संभाली थी और सफलतापूर्वक उसे आगे बढाया था। नितिन गडकरी महाराष्ट्र में तो जाने पहचाने हैं लेकिन क्षेत्रीय धरातल और राष्ट्रीय धरातल विस्तार की दृष्टि से भी और चिंतन की व्यापकता की दृष्टि से भी अलग होता है। पिछले दिनों नितिन गडकरी के चुने हुए व्याख्यानों का एक संग्रह 'विकास के पथ' नाम से छप कर सामने आया है जिससे गडकरी को जानने बूझने में सहायता मिलती है। वैचारिक दृष्टि से तो गडकरी संघ परिवार की उर्ध्वगामी युगानुकूल परंपरा के वाहक है, लेकिन इसके साथ ही उनका अपना विशिष्ट व्यक्तित्व उनकी व्यावहारिक दृष्टि से प्रकट होता है। यहां यह भी ध्यान रखना चाहिए कि गडकरी का भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना ही अपने आप में भाजपा की आंतरिक कार्यप्रणाली को इंगित करता है। गडकरी स्वयं भी अपने उद्‌बोधनों में इसका अनेक बार संकेत करते है कि 'मैं पार्टी के पोस्टर लगाता–लगाता अध्यक्ष पद पर पहुंचा हूं। पोस्टर लगाने की इस स्वीकारोक्ति को प्रतीक रूप में ही ग्रहण करना होगा। इसका सीधा–सीधा अर्थ यही है कि भाजपा न तो किसी एक परिवार को ही कंधों पर ढोने वाला राजनैतिक दल है और न ही किसी जाति विशेष को आधार बना कर चलने वाला दबाव समूह है। गडकरी वास्तव में भाजपा की इसी विशिष्ट पहचान को इंगित करते हुए आगे बढ़ते है।

विकास का वह पथ जिसकी ओर गडकरी संकेत करते हैं वह विचार को गला घोंटने वाली रस्सी के तौर पर इस्तेमाल नहीं करता बल्कि आगे बढने के लिए उसे गति प्रदान करने वाले पहिये के रूप में इस्तेमाल करता है। गडकरी के जिन व्याख्यानों की हम चर्चा कर रहे हैं उनमें से ज्यादातर व्याख्यान उन्होंने महाराष्ट्र विधानसभा में दिये हैं। एक जगह वे कहते हैं कि मैं इस बहस में नहीं पडता कि मारूती कार को कौन लेकर आया और वह कैसे आई? लेकिन एक बात निश्चित है कि उसके आने के बाद इस क्षेत्र में जो स्पर्धा जागी उसने गुणवत्ता को भी बढाया और कार को आम आदमी तक पहुंचाने में भी मदद की। महाराष्ट्र विधानसभा में दिये गये भाषणों को पढ़कर एक बात स्वतः स्पष्ट हो जाती है कि गडकरी जब किसी विषय पर बोलते हैं तो उसका गहराई से अध्ययन ही नहीं करते बल्कि समस्या के निराकरण के लिए उपाय भी सुझाते है। वे किसी भी समस्या को किसी खास ऐंगल या दृष्टिकोण से नहीं परखते बल्कि उसे उसकी समग्रता में समझने का प्रयास करते हैं। इसे समझने के लिए गडकरी का एक लंबा वक्तव्य उद्धृत करना जरूरी है– ''जब मैं लोकनिर्माण मंत्री था, तब विश्व में तीन बातों पर चर्चा होती थी एक निजीकरण, दूसरा वैश्वीकरण और तीसरा उदारीकरण। मैंने टोल के साथ फ्लाई ओवर बनाने की कल्पना को प्रस्तुत किया और

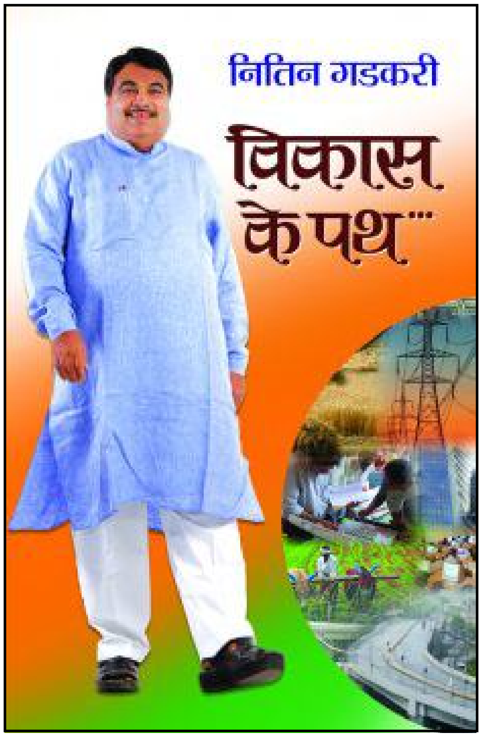

लागू किया। तब मेरी इतनी आलोचना हुई कि आप सोच भी नहीं सकते। हमारे एक बडे चिंतक हैं। उन्होंने मुझसे कहा कि टोल के माध्यम से पैसे लेकर पुल बनाने की आवश्यकता क्या है? इस प्रकार पैसे इकट्ठा करके पुल क्यों बनाते हो? मैंने उनसे कहा कि मैं ये पुल इसलिए बनाता हूं कि मैं पिछडे क्षेत्र का आदमी हूं। मैंने मुंबई में कैपिटल मार्केट के पैसे से फ्लाईओवर बनाए और पूरे बजट को देहात की तरफ मोड़ दिया। पक्की सड़क बनाने के लिए 16 हजार गाँवों को यह बजट मुहैया कराया। गडचिरोली जिले में मैंने 2 लाख 60 करोड़ की सड़के बनाई। इस बारे में मैंने विचार किया कि ग्रामीण क्षेत्र के आदमी को, गरीब आदमी को, जिसको आज तक न्याय नहीं मिला, उसको न्याय मिलना चाहिए। यह करना है तो जहां 'पर–कैपिटा इन्कम 'और 'जीडीपी' ज्यादा है, वहाँ उनके लिए – ' If you want good service, you have to pay for it. इस बात को अमल में लाया। इस प्रकार सरकार का सारा पैसा मैंने गरीब आदमी के लिए उपलब्ध कराया।

'Inspiration behind this was to give priority to rural and poor sector of the society.' गरीब और शोषित–पीडित आदमी तक बजट का स्रोत पहुंचाना चाहिए। नागपुर, पुणे, मुंबई जैसे शहरों में सरकार को स्वयं पैसा खर्च करने की आवश्यकता नहीं है। ग्रामीण क्षेत्रों में, विशेष रूप से गडचिरोली जिले में, आज भी ऐसी स्थिति है।''

इन साधारण शब्दों में विकसित भारत के निर्माण का पूरा दर्शन छिपा हुआ है। जो सक्षम हैं, उनको सरकार मुफ्त में सहायता क्यों करे? और जो निर्बल है, प्रताड़ित है, साधनविहीन है उनकी सहायता करना और उनके जीवन स्तर को ऊपर उठाना सरकार का प्रथम कर्तव्य है। राजनीतिक शास्त्र के विद्यार्थी जानते हैं कि राज्य की स्थापना भी शायद इसी वर्ग को बलशाली शोषण से बचाने के लिए हुई होगी। इसलिए पूरे देश के लिए विकास का एक ही पथ नहीं हो सकता। वह पर्वतीय क्षेत्रों के लिए अलग होगा, महानगरों के लिए अलग और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए दूसरा। महानगर मुंबई की समस्याओं पर गडकरी के उद्बोधन पढते हुए लगता है कि कोई राजनेता नहीं बल्कि एक कुशल और व्यावहारिक प्रशासक बोल रहा है। गडकरी केवल विरोध की राजनीति मे विश्वास नहीं करते। राष्ट्रीय हितों के लिए वे सभी राजनैतिक दलों को विश्वास में लेकर चलने की बात करते हैं। वे यूपीए सरकार से आग्रह करते हैं कि राष्ट्र के महत्वपूर्ण हितों को प्रभावित करने वाले सभी अहम विषयों के बारे में विपक्ष के साथ संवाद और सहयोग पर आधारित एक राष्ट्रीय दृष्टिकोण अपनाए। भारत अमेरिका परमाणु संधि करते समय वे ऐसा नहीं कर सके। कोपेनहेगन सम्मेलन में भारत की नीति निर्धारित करते समय भी वे विफल हुए। गडकरी ऐसे विषयों को जिन से देश का अस्तित्व ही प्रभावित होता है, मसलन नक्सलवाद, माओवाद और आतंकवाद आदि को राजनीतिक नहीं बल्कि राष्ट्रीय समस्या मानते हैं। इसलिए इन विषयों पर दलीय हठधर्मिता छोड़ कर राष्ट्रीय नीति बनानी चाहिए। विकास के पथ पढ़ने पर महसूस होता है कि जो व्यक्ति बोल रहा है, वह सुनने वाले से बहुत दूर या बहुत ऊचांई पर नहीं खड़ा बल्कि श्रोताओं के बीच में ही खड़ा है। बल्कि यह भी कहा जा सकता है कि वह श्रोताओं में ही एक है। नितिन गडकरी की यही सबसे बड़ी खूबी है कि देश का आम आदमी उन्हें अपने ही बीच का आदमी मानता है। वे कार्यकर्ताओं से रूबरू होते हैं– हमें स्वचालित इंजन बनने की कोशिश करनी चाहिए। आदेशों और निर्देशों के लिए किसी व्यक्ति का इंतजार मत कीजिए। लोगों की शिकायतों को दूर करने के लिए काम करना शुरू कर दीजिए, अपने को आम आदमी से जोड़िए, उनकी पीड़ाओं और आक्षांओं में भागीदार बनिए, उनके बीच काम करिए, अपनी विचार शक्ति के जरिए योगदान करिए, नये विचार दीजिए और पार्टी के दृष्टिकोण को सामने रखते हुए मुखर बनिए। नितिन गडकरी विकास के पथ के माध्यम से भाजपा को राष्ट्र के नवनिर्माण हेतु एक नयी प्रयोगशाला में बदल रहे हैं। एक ऐसी प्रयोगशाला जिसमें कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर नेतृत्व निर्माण का प्रयोग कर रहा है। यह प्रयोग ही विकास का पथ है। गडकरी का विकास का पथ इस नये प्रयोग की निर्देशिका कही जा सकती है। ■

नितिन गडकरी विकास के पथ के माध्यम से भाजपा को राष्ट्र के नवनिर्माण हेतु एक नयी प्रयोगशाला में बदल रहे हैं। एक ऐसी प्रयोगशाला जिसमें कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर नेतृत्व निर्माण का प्रयोग कर रहा है। यह प्रयोग ही विकास का पथ है। गडकरी का विकास का पथ इस नये प्रयोग की निर्देशिका कही जा सकती है।

राहुल गांधी 'एंग्री यंग मैन' का अभिनय कर रहे हैं : सुषमा

लोकसभा में विपक्ष की नेता श्रीमती सुषमा स्वराज ने कहा कि भ्रष्टाचार के आरोप के कारण मनमोहन सरकार बदनाम हो गई है, तो महंगाई के कारण अलोकप्रिय। बसपा के भ्रष्टतंत्र को जनता ने देख लिया है और सपा के शासन में अपराध तंत्र को भूली नहीं है। इसलिए उत्तर प्रदेश हो या दिल्ली, भाजपा ही विकल्प है। श्रीमती स्वराज का कहना है कि कांग्रेस महासचिव राहुल गांधी 'एंग्री यंग मैन' का अभिनय कर रहे हैं। राजनीति मुद्दों पर होती है, अभिनय से नहीं। बेहतर होता कोई अच्छा राजनीतिक गुरु बनाया होता और उससे राजनीति का पाठ सीखा होता। दिल्ली में इस्राइली दूतावास की कार में बम धमाके को चिंताजनक बताते हुए उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय विवादों का अखाड़ा भारत की जमीन नहीं बननी चाहिए। राष्ट्रीय आतंकवाद रोधी केंद्र (एनसीटीसी) पर राज्यों की नाराजगी पर उन्होंने कहा कि कानून बनाने का मतलब संघीय ढांचे को ध्वस्त करना नहीं होता। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा के लिए सघन प्रचार अभियान कर रहीं लोकसभा में विपक्ष की नेता श्रीमती सुषमा स्वराज ने बांदा से कानपुर और लखनऊ की अपनी चुनावी यात्रा के दौरान 'नईदुनिया' के विशेष संवाददाता मनोज वर्मा से विशेष बातचीत के दौरान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर खास बातचीत की।

- उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों को आप किस रूप में देखती हैं और भाजपा का प्रदर्शन कैसा रहेगा?

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव ऐसे समय पर हो रहे हैं जब देश में भ्रष्टाचार, महंगाई और विदेशों में जमा कालाधन का विषय मुद्दा बना हुआ है। मजहबी आरक्षण भी चुनाव का मुख्य मुद्दा है। टू जी स्पेक्ट्रम घोटाला हो या फिर कॉमनवेल्थ गेम्स में हुआ घोटाला। कोर्ट के फैसलों और टिप्पणियों के चलते मनमोहन सरकार के मंत्रियों और कांग्रेस के नेताओं को जेल जाना पड़ा। महंगाई ने आम आदमी का घर का बजट बिगाड़ दिया है और कालेधन के मुद्दे पर सरकार की चुप्पी ने कई सारे सवाल खड़े कर दिए हैं। लोकपाल विधेयक को लेकर लोकसभा और राज्यसभा में यूपीए सरकार की जैसी किरकिरी हुई उससे यह भी साबित हो रहा है कि मनमोहन सरकार से उसके अपने सहयोगी दल भी खुश नहीं हैं। सरकार जनता का विश्वास खो चुकी है। भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण यूपीए सरकार बदनाम हो गई है, तो महंगाई के कारण अलोकप्रिय। इसलिए मुझे नहीं लगता कि भ्रष्टाचार और महंगाई से त्रस्त जनता कांग्रेस को वोट देगी। उत्तर प्रदेश में बसपा के भ्रष्टतंत्र को जनता ने देख लिया है और सपा के शासन में अपराध तंत्र को भूली नहीं है। सपा मजबूरी का विकल्प हो सकती जो जनता नहीं चाहेगी। इसलिए उत्तर प्रदेश हो या दिल्ली, भाजपा ही विकल्प है।

- लेकिन चुनाव सर्वेक्षण खासतौर से उत्तर प्रदेश में भाजपा को चौथे नंबर पर दिखा रहे हैं?

चुनाव सर्वेक्षण कई बार गलत साबित हुए हैं और इस बार भी होंगे। भाजपा की सरकार बनेगी। जो लोग भाजपा को चौथे नंबर पर सर्वेक्षण में दिखा रहे हैं वे जमीनी सर्वेक्षण नहीं लगते।

पिछले एक सप्ताह के चुनावी कार्यक्रम के दौरान जनता के रुख को देखकर मैं यह कह सकती हूं कि भाजपा उत्तर प्रदेश में सरकार बनाने की दौड़ में शामिल है। भाजपा का मुकाबला कहीं सपा से हो रहा है, तो कहीं बसपा से। कांग्रेस महासचिव राहुल गांधी खूब भाग दौड़ कर रहे हैं, लेकिन यूपी में कांग्रेस का संगठन ध्वस्त है और महंगाई तथा भ्रष्टाचार से नाराज जनता न कांग्रेस के वोट देना चाहती और न ही बसपा को। मजहबी आरक्षण को लेकर जिस प्रकार की होड़ कांग्रेस, सपा और बसपा में लगी है उसे लेकर पिछड़े वर्ग में नाराजगी है। इसका लाभ भी भाजपा को मिल रहा है।

- मगर भ्रष्टाचार के आरोप तो भाजपा सरकार पर भी लगे हैं, खासतौर से कर्नाटक में। मायावती सरकार में शामिल रहे भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे बाबू सिंह कुशवाहा भाजपा के लिए वोट मांग रहे हैं। ऐसे में भाजपा दूसरे दलों से कैसे अलग है?

कांग्रेस नेतृत्व वाली यूपीए सरकार पर भ्रष्टाचार–घोटालों के आरोप भाजपा ने नहीं लगाए, बल्कि घोटालों का खुलासा सरकारी एजेंसी कैग की रिपोर्ट से हुआ है। भाजपा ने संसद के भीतर और बाहर घोटालों पर यूपीए सरकार को घेरने का काम किया है। भाजपा मुख्य विपक्षी दल है। विपक्षी दल जनता के प्रहरी की भूमिका निभाता है। हम खामोश रहकर जनता की कमाई को लुटता नहीं देख सकते। स्पेक्ट्रम घोटाले के चलते 122 लाइसेंस रद्द करने की कार्रवाई कोर्ट ने की। कोर्ट के फैसले से साबित होता है कि स्पेक्ट्रम घोटाला हुआ। विदेशों में जमा कालेधन का विषय भाजपा लगातार उठा रही और अब सरकार की खुद की एजेंसी सीबीआई भी कह रही है कि विदेशी बैंकों में कालेधन के रूप में भारी राशि जमा है। जहां तक कर्नाटक का विषय है वहां लोकायुक्त की रिपोर्ट में आरोप लगे तो भाजपा ने अपने मुख्यमंत्री का तुरंत इस्तीफा ले लिया। कुशवाहा भाजपा के पास आए थे, पर पार्टी ने न तो उन्हें टिकट दिया और न ही कोई पद। उनकी सदस्यता भी स्थगित है। कुशवाहा प्रकरण समाप्त हो गया है। कुशवाहा जो भी कुछ कर रहे हैं अपने स्तर पर कर रहे हैं।

- मजहबी आरक्षण को मुद्दा बनाकर भाजपा क्या मुसलमानों का विरोध कर रही है?

भाजपा मुसलमानों के खिलाफ नहीं है। भाजपा शासित राज्यों में मुसलमानों के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं चल रही हैं। हम मजहबी आरक्षण के खिलाफ हैं, क्योंकि संविधान में मजहब के आधार पर आरक्षण का कोई प्रावधान नहीं है।

भाजपा पिछड़े वर्ग के कोटे में से कोटा काटकर मजहबी आरक्षण देने को भी उचित नहीं मानती।

- कांग्रेस महासचिव राहुल गांधी उत्तर प्रदेश में आक्रामक अंदाज में प्रचार कर रहे हैं।

राहुल गांधी चुनाव प्रचार में जो आक्रामकता या गुस्सा दिखा रहे हैं वह बनावटी लगता है, क्योंकि राहुल गांधी का यह स्वभाव नहीं है। ऐसे लगता है जैसे किसी फिल्म कंपनी ने उनके लिए एंग्री यंग मैन वाली पटकथा लिखी है और कंपनी के निर्देशन पर यूपी चुनाव में एंग्री यंग मैन का अभिनय कर रहे हैं। वह कभी उत्तर प्रदेश के लोगों को भिखारी कह डालते हैं तो कभी मंच से कांग्रेस के नेताओं के नाम वाला पर्चा फाड़ने का नया अभिनय करते हैं, तो कभी आस्तीन चढ़ा कर लोगों को संबोधित करते हैं। असल में राहुल गांधी के लिए जो कंपनी निर्देशन कर रही है उसका निर्देशन राहुल गांधी के मधुर व्यक्तित्व से उलटा है और पटकथा फुहड़ता से भरी है। राजनीति मुद्दों पर होती है, अभिनय से नहीं। बेहतर होता राहुल गांधी ने कोई अच्छा राजनीतिक गुरू बनाया होता और उससे राजनीति का पाठ सीखा हाता तो वह गंभीर राजनीति करते और उन्हें अभिनय करने की जरूरत नहीं पड़ती।

- यूपी में भाजपा ने मुख्यमंत्री के रूप में किसी को प्रोजेक्ट नहीं किया। पार्टी में गुटबाजी की खबरें भी आ रही हैं। गुजरात के मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी प्रचार में नहीं आ रहे हैं। वरुण गांधी भी पीलीभीत से बाहर नहीं निकल रहे हैं।

मुख्यमंत्री के रूप में किसको प्रोजेक्ट करना है या नहीं करना है यह पार्टी की रणनीति का हिस्सा भी होता है कई बार चेहरा सामने रखकर चुनाव मैदान में उतरते हैं, तो कई बार ऐसा नहीं करते हैं। उत्तर प्रदेश में भाजपा के पास तमाम क्षमतावान नेता हैं, इसलिए सामूहिक नेतृत्व में पार्टी चुनाव लड़ रही है। लखनऊ से लेकर दिल्ली तक के सभी नेता उत्तर प्रदेश में प्रचार कर रहे हैं। मुझे जो जानकारी है उसके अनुसार नरेन्द्र मोदी का भी प्रचार का कार्यक्रम है। भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, प्रेम कुमार धूमल, बीसी खंडूड़ी, डॉ. रमन सिंह, अर्जुन मुण्डा सभी प्रचार कर रहे हैं। वरुण गांधी ने पीलीभीत और आंवला का मोर्चा संभाल रखा है। वह अपने संसदीय क्षेत्र की सभी विधानसभा सीटों पर चुनाव जीतने का लक्ष्य लेकर काम कर रहे हैं।

शेष पृष्ठ 28 पर

पार्टी के आह्वान पर मुख्यमंत्री से विधायक तक जनता के दरबार में सेवक के रूप में पहुंचेंगे : प्रभात झा

लोकतंत्र में जनता सर्वोपरि होती है। वही सरकार बनाती है। लेकिन इसे दुर्भाग्य ही कहेंगे कि सत्ता में आने के बाद राजनेता जनता की सुध लेना ही भूल जाते हैं। भारतीय जनता पार्टी ने सदैव जनहित को प्राथमिकता दी है। मध्यप्रदेश में इन दिनों भाजपा जनसंवाद स्थापित करने को लेकर अनूठी पहल कर रही है। जनता से सरोकार को साकार करने के लिए पार्टी ''विकास यात्रा'' आयोजन कर रही है। गत 1 फरवरी को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री प्रभात झा ने सागर संभाग के विधानसभा क्षेत्र ग्राम कनेरादेव में विकास यात्रा को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान प्रदेश के सभी 230 विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी गांव–गांव जा रही है। लोगों के हाल–चाल पूछ रही है। उसके दुख–दुख में शामिल हो रही है। संवेदनशीलता का यह अनुपम दृश्य देखते ही बनता है। हजारों की संख्या में लोग एकत्र होकर 'विकास–यात्रा' का स्वागत करते हैं। यात्रा पर पुष्प बरसाते हैं। पार्टी नेताओं को माला पहनाते हैं और हृदय से उनके आव–भगत में जुट जाते हैं।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष और सांसद प्रभात झा ने उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र में जनप्रतिनिधि जनता का सेवक है। भारतीय जनता पार्टी के आह्वान पर मुख्यमंत्री से लेकर विधायक तक जनता की अदालत में पहुंचकर विकास यात्रा को गति प्रदान करेंगे। आपने कहा कि भाजपा को देश की जनता यूपीए सरकार के घटाटोप अंधकार में आशा की किरण की तरह देख रही है। भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता का कर्त्तव्य है कि वह जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरकर अपनी रोशनी से जन–जन में नये उत्साह, आशाओं का संचार करें।

श्री प्रभात झा ने कहा कि कांग्रेस विकास यात्रा को हल्के से लेकर जो टीका टिप्पणी कर रही है यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर जनता का अपमान है। उन्होंने कहा कि जब–जब प्रदेश की जनता प्रगति की रोशनी देखती है और सुखचैन से सांस लेती है कांग्रेस की आंख में किरकिरी पड़ जाती है। उसे प्रदेश के विधान सभा क्षेत्रों में, जिलों में हो रहे अन्त्योदय मेले रास नहीं आ रहे हैं तो यह कांग्रेस का दृष्टिदोष है।

श्री प्रभात झा ने कहा कि वे विकास यात्रा में उन सभी विधानसभा क्षेत्रों में पहुंचेंगे और जनता से भूल–चूक की क्षमा–याचना करेंगे। जहां पिछले चुनाव में पार्टी ने सीट गंवा दी है। उन सभी क्षेत्रों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने का बंदोबस्त किया जायेगा। उन्होंने सागर जिले के विधानसभा क्षेत्रों वंडा, खुरई और सुरखी की जनता से आग्रह किया कि वे भाजपा को समर्थन देकर आंचलिक विकास का मार्ग प्रशस्त करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लंबे समय तक सत्ता में रही है। केन्द्र और राज्यों में एक छत्र शासन था लेकिन

समस्याओं का उसने विस्तार किया। दिग्विजय सिंह का शासन भी इसका अपवाद नहीं रहा है। जबकि भाजपा को मध्यप्रदेश में संविद शासन, 1977 में जनता पार्टी सरकार और 1990 में पटवा सरकार के दौरान अल्प समय मिला। कांग्रेस ने तिकड़मवाजी कर सरकारों को दीर्घजीवी नहीं होने दिया। फिर भी क्रांतिकारी बदलाव आया। पहली बार मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान के नेतृत्व में आठ साल कार्यकाल सफलतापूर्वक पूर्ण हुआ है और जनता ने सुखद जनोन्मुखी शासन की अनुभूति की है। सुशासन और संवेदनशील जवाबदेह सरकार का स्वाद चखा है।

जनता से सीधा संवाद का माध्यम है विकास यात्रा : शिवराजसिंह चौहान

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने आज नसरूल्लागंज के मगरिया गांव से कन्यापूजन के साथ विकास यात्रा प्रारंभ की। इस अवसर पर बडी संख्या में उपस्थित ग्रामीण जनों को संबोधित करते हुए कहा कि बेटी नहीं रहेगी तो सृष्टि नहीं रहेगी। बहु लाना है तो बेटी बचानी होगी, बेटी है तो कल है। उन्होंने कहा कि हमने आठ वर्षो में जो विकास कार्य किये है उन विकास कार्यो को लेकर विकास यात्रा के माध्यम से जनता के बीच जा रहे है। विकास यात्रा के दौरान 230 विधानसभाओं में विधायक, जनप्रतिनिधि और संगठन के लोग एक साथ जनता से सीधा संवाद करेंगे।

मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने कहा कि हम अपने आठ वर्षो का हिसाब जनता के बीच रखेंगे। जनता कांग्रेस से पूछे कि पिछले पचास वर्षो में जनता के लिए उन्होंने क्या किया। भाजपा सरकार ने बीते आठ वर्षों में प्रदेश में 22 हजार करोड की सडकों का जाल बिछा दिया है। लाडली लक्ष्मी योजना से अब तक 9 लाख से अधिक बेटिया लाभान्वित हुई। मुख्यमंत्री कन्यादान योजना का लाभ हर वर्ग को मिलने लगा है। भाजपा की प्रदेश सरकार गांव, गरीब और किसान की सरकार है हमने किसानों के लिए 1 प्रतिशत ब्याज पर ऋण मुहैया कराया है। जिसका 27 लाख से अधिक किसानों ने लाभ उठाया है। अब मध्यप्रदेश बीमारू राज्य नहीं है प्रगति के पथ पर मध्यप्रदेश ने गति की है। यह देश का पहला ऐसा राज्य है जिसने गेहूं के समर्थन मूल्य पर 100 रू. और धान पर 50 रू. बोनस दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा से किसानों को छला है। हमने किसानों के लिए अलग से कृषि केबिनेट का गठन किया है। साथ ही ग्रामीण परिवहन सेवा प्रारंभ की है। अब कोई भी पंचायत आत्मनिर्भर होगी। ग्राम पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने के लिये जनसंख्या के मान से 5 से 15 लाख की राशि सीधे उनके खातों में जमा होगी, ताकि वे गांव का विकास कर सके। गांव को समृद्धि प्रदान कर सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने पं. दीनदयाल उपाध्याय के सपने को साकार किया है। अंत्योदय मेले पं. दीनदयाल उपाध्याय की परिकल्पना थी जो कि आज हर जिलों में गरीब तबकों के उत्थान में सहायक बने है। ■

पृष्ठ 26 का शेष...

- विधानसभा चुनावों के बाद संसद का बजट सत्र शुरू हो रहा है। एनसीटीसी का कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने विरोध किया है। खुदरा व्यापार क्षेत्र में विदेशी निवेश का मुद्दा भी सरकार के सामने है। क्या विदेशी निवेश का भाजपा अभी विरोध जारी रखेगी?

संसद के आगामी बजट सत्र में यूपीए सरकार को कई सवालों के जवाब देने होंगे। चुनाव बाद संसद के लिए पार्टी रणनीति तय करेगी, लेकिन टू जी घोटाले में 122 लाइसेंसों को कोर्ट द्वारा रद्द करना, महंगाई, विदेशों में जमा कालाधन जैसे मुद्दे ज्वलंत हैं। खुदरा क्षेत्र में विदेशी निवेश का मुद्दा भी टला था, रद्द नहीं हुआ था। यह मुद्दा छोटे व्यापारियों की रोजी रोटी से जुड़ा है। इस मुद्दे पर भाजपा कोई समझौता नहीं करेगी। जहां तक एनसीटीसी जैसे मुद्दों का सवाल है तो यूपीए सरकार पिछले कुछ अर्से से ऐसी नीतियों को पेश कर रही है जो राज्य और केन्द्र के बीच टकराव का कारण बन रहे हैं। कानून बनाने का मतलब संघीय ढांचे पर चोट करना नहीं होता। लोकपाल विधेयक में भी सरकार ने ऐसे प्रावधान करे कि विपक्ष ही नहीं सरकार के अपने सहयोगी दल भी विरोध में खड़े हो गए।

- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई घटनाएं ऐसी घट रही हैं जो भारत की सुरक्षा और दूसरे पहलुओं से जुड़ी हैं। खासतौर से हाल ही में दिल्ली में इस्राइली दूतावास की कार में धमाका और मालदीव में राष्ट्रपति को अपदस्थ किया जाना।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर घट रही घटनाएं चिंताका विषय हैं। इस्राइली दूतावास की कार में धमाका आतंकवाद का एक आयाम है, जो चिंता का कारण है। भारत की जमीन को किसी भी अंतरराष्ट्रीय विषय–विवाद का अखाड़ा नहीं बनने देना चाहिए और इसमें कूटनीतिक सावधानी बरतनी होगी। मालदीव के घटनाक्रम को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इन दोनों विषयों को लेकर भाजपा गंभीर है।■

दिल्ली की दो करोड़ जनता के आंसू पोंछकर उनके अधरों पर मुस्कान बिखेरने निकला हूँ - विजेन्द्र गुप्ता

भाजपा कार्यकर्ताओं के अभूतपूर्व उत्साह के बीच 11 फरवरी 2012 को भाजपा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष श्री विजेन्द्र गुप्ता ने जबरदस्त स्वागत और गगनभेदी नारों के साथ बुराड़ी चौक से सीलमपुर तक पूर्व घोषित 'जनसंघर्ष यात्रा' प्रारम्भ की। यात्रा को हरी झंडी विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा ने दिखाई। यात्रा का रास्ते भर में पुष्प वर्षा से कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने स्वागत किया। जगह–जगह श्री गुप्ता की यात्रा के स्वागत हेतु तोरण द्वार बनाए गए थे। बुराड़ी से लेकर सीलमपुर तक पड़ने वाले हर चौराहे, हर मंडल और हर विधानसभा में कार्यकर्ताओं ने जगह–जगह मंच बनाकर जनसंघर्ष यात्रा में निकले भाजपा के लोगों का आरती उतारकर स्वागत स्थानीय आरडब्ल्यूए तथा मार्केट एसोसिएशन और विभिन्न संस्थाओं ने उत्साहपूर्वक किया। रास्ते भर जनता ने सड़क के दोनों किनारे खड़े होकर हाथ हिलाकर, नारे लगाकर कहा कि भाजपा आएगी, संकट मिटाएगी।

यात्रा शुरू होने से पहले बड़ी जनसभा हुई जिसमें पार्टी के प्रदेश के अनेक दिग्गज नेता उपस्थित थे। बुराड़ी के हनुमान मंदिर के महन्त ने उन्हें एक गदा भेंट की और कहा कि कांग्रेस का भ्रष्टाचार विजेन्द्र जी आप समाप्त करें क्योंकि दिल्ली की जनता कांग्रेसी अत्याचारों से खून के आंसू रो रही है। श्री गुप्ता ने कहा कि मैं दिल्ली की दो करोड़ जनता के आंसू पोंछकर उनके अधरों पर मुस्कान बिखेरने निकला हूँ। जब तक दिल्ली से भय, भूख और भ्रष्टाचार समाप्त नहीं करूंगा, चैन की सांस नहीं लूंगा।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने अपनी म्यान से तलवार निकाल ली है। यह तलवार तभी म्यान में अंदर जाएगी जब दिल्ली तथा देश से भ्रष्टाचार, मंहगाई, आतंकवाद और लूट का शासन समाप्त हो जाएगा। देश की जनता भूखी है और कांग्रेस का रूख रूखा है। जनविरोधी कांग्रेस सरकार ने भ्रष्टाचार, लूट और जनविरोध की सारी सीमाएं तोड़ दी हैं। दिल्ली सरकार भ्रष्टाचारियों को पुरस्कृत कर रही है और ईमानदार अभियंता सरेचौराहे भू–माफिया द्वारा मारे जा रहे हैं। पूरी दिल्ली असुरक्षित है। दिल्ली में माफिया राज चल रहा है। आम नागरिक को सम्मानजनक जीवन जीने का भी अधिकार कांग्रेस सरकार नहीं दे पा रही है।

मुख्यमंत्री कहती हैं कि ईमानदार अभियंताओं पर हमला होना आम बात है। अनधिकृत कालोनियों में 50 लाख लोग कई सालों से नारकीय जीवन जी रहे हैं। कालोनियां नियमित करने के

नाम पर प्रॉविजनल सर्टिफिकेट बांटने में भी कांग्रेस सरकार ने हजारों करोड़ रूपए का भूमि घोटाला किया है। खेल घोटालों की सिरमौर श्रीमती शीला दीक्षित शुंगलू कमेटी और कैग की रिपोर्ट के बाद भी आजाद हैं। लाखों लोगों के पास मकान नहीं हैं। दिल्ली में झुग्गियां बढ़ती जा रही हैं और सरकार गरीबों से झूठे वायदे करती जा रही है। पानी, बिजली, सीवरेज़ के दाम बढ़ाकर सरकार जनता को लूट रही है।

बुराड़ी से जनसंघर्ष यात्रा को हरी झंडी दिखाने से पूर्व प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा ने उपस्थित लोगों को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि देश में आतंकवाद बढ़ रहा है और कांग्रेस सरकार आतंकवाद रोकने के स्थान पर एक वर्ग के वोटों को हासिल करने के लिए यह लज्जास्पद बयान दे रही है कि बाटला हाउस मुठभेड़ में मारे गए आतंकवादियों की तस्वीरें देखकर सोनिया गांधी रो पड़ीं। क्या कांग्रेस इसी कारण अफजल गुरू और कसाब को फांसी देना नहीं चाहती है? क्या देश की सुरक्षा से खिलवाड़ करने के लिए कांग्रेस सरकार समझौता कर चुकी है। उन्होंने कहा कि कैश फॉर वोट का सौदा कराने वाले अमर सिंह ने बयान दिया है कि उन्होंने शीला दीक्षित की मदद से 30 सांसदों को तीस–तीस करोड़ रूपए में खरीदकर मनमोहन सिंह की सरकार बचाई थी। इस खुलासे की जांच सरकार क्यों नहीं करा रही है?

जनसंघर्ष यात्रा शुरू होने से पूर्व बुराड़ी की जनसभा में प्रदेश के महामंत्री संगठन श्री विजय शर्मा उपस्थित थे। यात्रा संयोजक श्री योगेन्द्र चान्दोलिया ने यात्रा के विभिन्न पहलुओं से लोगों को अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश महामंत्री प्रवेश वर्मा ने किया। सर्वश्री मांगेराम गर्ग, साहब सिंह चौहान, श्रीकृष्ण त्यागी, मोहन सिंह बिष्ट, श्याम लाल गर्ग, रमेश बिधूड़ी, आशीष सूद, पवन शर्मा, विजय जौली, सरदार आर.पी. सिंह, विशाखा शैलानी, सतीश उपाध्याय, सुभाष आर्य, वीरेन्द्र जुयाल, कमलजीत सहरावत, नरेन्द्र टंडन, उर्मिल चौधरी, सुनील यादव, संजीव शर्मा, डॉ. सम्बित पात्रा, कृष्णलाल ढिलौड़, राज कुमार बल्लन, शिखा राय, आतिफ रशीद, वीरेन्द्र सचदेवा, अनुज शर्मा, चौ. महक सिंह, बिमला त्यागी, गौरव खारी, रामकिशन बंसीवाल, सीताराम गुप्ता, महेन्द्र गुप्ता, अनिल गोयल, अभय वर्मा, सुरेन्द्र सिंह शेखावत, संजय शर्मा सहित अनेक प्रदेश पदाधिकारियों, जिलाध्यक्षों, मंडल अध्यक्षों ने प्रदेशाध्यक्ष का जोरदार स्वागत किया। अनेक नेताओं ने सभा को सम्बोधित भी किया। रथयात्रा पहले दिन बुराड़ी विधानसभा, तिमारपुर विधानसभा, करावल नगर विधानसभा, घौंडा विधानसभा होती हुई सीलमपुर विधानसभा में जाकर समाप्त हुई। बुराड़ी में हुई सभा का मंच संचालन प्रदेश महामंत्री प्रवेश वर्मा ने किया।

आज जनसंघर्ष यात्रा बुराड़ी मेन चौराहे से प्रारम्भ होकर झड़ौदा गांव, हरदेव नगर, भगवान पार्क, संगम विहार पुस्ता रोड, पंचशील आश्रम, गांधी विहार, यमुना बायॉडायवर्सिटी पार्क, मेन रोड, जगतपुर, मुखर्जी नगर, भाई परमानंद कालोनी, गुरू तेग बहादुर नगर, ढका चौक, हरिजन सेवक संघ, किंग्जवे कैम्प, आउट्रम लाइन, हरिधाम धर्मशाला, हड़सन लाइन, विजय नगर, क्रिश्चियन कालोनी पटेल चेस्ट, दिल्ली विश्वविद्यालय, मलकागंज, कमला नगर मार्केट, चन्द्रावल रोड सब्जी मंडी, घंटा घर होती हुई सीलमपुर में जाकर समाप्त हुई। रथयात्रा में सवार श्री विजेन्द्र गुप्ता का स्वागत जगह–जगह आर.डब्ल्यू.एज., व्यापारी संगठनों, बाजारों के संगठनों ने बैंड बाजों तथा पुष्प वर्षा से जोरदार ढंग से किया। हर चौराहे और स्वागत स्थलों पर रथ रोककर प्रदेशाध्यक्ष ने उनके स्वागत के लिए उमड़ी जनता को सम्बोधित किया और संकल्प दिलाया कि वे दिल्ली से कांग्रेस सरकार का सफाया कर दें। ■

~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~

भाजपा नेता वी.एस. आचार्य का निधन

भाजपा के वरिष्ठ नेता व कर्नाटक के उच्च शिक्षा मंत्री श्री वेद व्यास श्रीनिवास आचार्य का 14 फरवरी 2012 को हृदयाघात के कारण निधन हो गया। वह 71 वर्ष के थे। आचार्य खुद चिकित्सक थे और उडुपी तटीय जिले से थे। उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी द्वारा 1975 में लगाए गए आपातकाल के दौरान 19 महीने जेल में बिताये थे। कर्नाटक के मुख्यमंत्री श्री डी.वी. सदानंद गौड़ा ने अपने शोक संदेश में कहा कि आचार्य का निधन हमारे और हमारी पार्टी के लिए बड़ा सदमा है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन गडकरी ने शोक संदेश में कहा कि श्री आचार्य के निधन से पार्टी ने एक महान नेता खो दिया। यह पार्टी के लिए गहरी क्षति है। ■
~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~